हिंदी डेली

आपकी बात- हमारे साथ

dailyhindihyd@gmail.com | E-paper-hindidailyweb.in | WhatsApp No- 9666641609

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 239 Sunday, 15 June 2025 रविवार, 15 जून 2025 HYDERABAD 8 PAGES RS.3. 00

दिल्ली विधानसभा होगी पेपरलेस, ई-विधान परियोजना की शुरुआत; संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने रखी आधारशिला

दिल्ली(एजेंसी),

दिल्ली विधानसभा डिजिटल युग में कदम रख रही है। शनिवार को केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में ई-विधान परियोजना की आधारशिला रखी। यह परियोजना विधानसभा को पूरी तरह पेपरलेस और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। मानसून सत्र से पहले कार्य पूरा हो जाएगा।

विमान हादसे की जांच करेगी नई कमेटी

- नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा-तीन महीने में मिलेगी रिपोर्ट
- मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंचा, एक और शव बरामद

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में विमान हादसे पर शनिवार को सिविल एविएशन मिनिस्टर के राममोहन नायडू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने बताया कि पहले दिन से हादसे की जांच जारी है। केंद्रीय गृह सचिव के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित की गई है। जो 3 महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इधर, विमान के मलबे से एक और शव बरामद हुआ है। बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से जब मलबा हटाया जा रहा था, तब विमान की टेल (पिछले हिस्से) में फंसा हुआ शव दिखा। इसका पोस्टमॉर्टम हुआ है। ऐसा कहा जा रहा है कि यह शव एयर होस्टेस का हो सकता है। उधर, आज भी मारे गए लोगों की डीएनए सैंपलिंग का काम जारी है। सिविल अस्पताल के बाहर परिजन की भीड़ है। यहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम है। पोस्टमॉर्टम यूनिट के आसपास बाहरी लोगों की एंट्री बंद है। सिविल अस्पताल में अब तक 270 से ज्यादा शवों का पोस्टमॉर्टम हो चुका है। इसके अलावा, 230 लोगों की

डीएनए सैंपलिंग की जा चुकी है। 8 शवों की शिनाख्त हो गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने कहा, पिछले दो दिन बहुत मुश्किल भरे रहे हैं। अहमदाबाद एयर पोर्ट के पास हुई दुर्घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है... मैं व्यक्तिगत रूप से घटनास्थल पर गया था, ताकि देख सकूं कि क्या किया जाना चाहिए, क्या सहायता प्रदान की जानी चाहिए और यही गुजरात सरकार का रवैया था। भारत सरकार और मंत्रालय के अन्य लोगों का भी यही रवैया था। जब हम घटनास्थल पर पहुंचे, तो हमने देखा कि सभी संबंधित विभागों की टीमें जमीन पर काम कर रही थीं, जो भी संभव हो, बचाव की कोशिश कर रही थीं।

एयरपोर्ट से दो किलोमीटर दूर दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान

उन्होंने बताया,दोपहर 1.39 बजे पायलट ने अहमदाबाद एटीसी को सूचना दी कि यह मेडी है, यानी पूरी तरह से इमरजेंसी है। एटीसी के मुताबिक, जब उसने विमान से संपर्क करने की कोशिश की तो उसे कोई जवाब नहीं मिला। ठीक एक मिनट बाद यह विमान मेघानीनगर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जो एयरपोर्ट से करीब 2 किमी की दूरी पर स्थित है। विमान के कैप्टन सुमित सभरवाल थे और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव सुंदर थे। जहां तक विमान के पूरे इतिहास की बात है, इस दुर्घटना से पहले विमान ने पेरिस-दिल्ली-अहमदाबाद सेक्टर को बिना किसी दुर्घटना के पूरा कर लिया था। दुर्घटना के कारण दोपहर 2.30 बजे रनवे को बंद कर दिया गया और सभी प्रोटोकॉल पूरे करने के बाद शाम 5 बजे से अहमदाबाद के रनवे को सीमित उड़ानों के लिए खोल दिया गया।

- **ब्लैक बॉक्स की डिकोडिंग गहराई से देगी जानकारी-** उन्होंने आगे कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो, जिसे विशेष रूप से विमानों के आसपास होने वाली घटनाओं, दुर्घटनाओं की जांच करने के लिए बनाया गया था, को तुरंत सक्रिय किया गया। एजेंसी के माध्यम से हो रही तकनीकी जांच से एक महत्वपूर्ण अपडेट कल शाम 5 बजे के आसपास घटनास्थल से ब्लैक बॉक्स की बरामदगी है, टीम का मानना है कि ब्लैक बॉक्स की यह डिकोडिंग गहराई से जानकारी देने वाली है। दुर्घटना की प्रक्रिया के दौरान या दुर्घटना से पहले के क्षणों में वास्तव में क्या हुआ होगा, इसकी जानकारी मिल सकेगी। हम इस बात का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि एजेंसी द्वारा पूरी जांच के बाद क्या परिणाम या रिपोर्ट सामने आएगी।
- **हादसे वाले दिन क्या हुआ था, सरकार ने बताया-** वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा, 12 जून को दोपहर करीब 2 बजे हमें सूचना मिली कि अहमदाबाद से गैटविक लंदन जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। हमें तुरंत एटीसी अहमदाबाद के जरिए इस बारे में विस्तृत जानकारी मिली। यह एआईसी 171 था और इसमें कुल 242 लोग सवार थे, जिसमें 230 यात्री, 2 पायलट और 10 क्रू मेंबर शामिल थे। इस विमान ने दोपहर 1:39 बजे उड़ान भरी और कुछ ही सेकंड में करीब 650 फीट की ऊंचाई पर पहुंचकर यह गिरने लगा, यानी इसकी ऊंचाई कम होने लगी।

कनाडा, साइप्रस के अलावा क्रोएशिया भी जाएंगे मोदी

पहली बार होगा किसी भारतीय पीएम का दौरा, शेड्यूल जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 से 19 जून 2025 तक तीन देशों (साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया) की महत्वपूर्ण यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी साइप्रस में द्विपक्षीय वार्ता करेंगे, कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और क्रोएशिया में नेताओं से मुलाकात करेंगे। यह यात्रा भारत के वैश्विक कूटनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी 15 जून को

साइप्रस की राजधानी निकोसिया पहुंचेंगे। यह दो दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की पहली यात्रा होगी। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के निमंत्रण पर हो रही इस यात्रा में पीएम मोदी राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके अलावा, वे लिमासोल में व्यापारिक नेताओं को संबोधित करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा भारत और साइप्रस के बीच संबंधों को गहरा करने और भूमध्यसागरीय क्षेत्र तथा यूरोपीय संघ के साथ भारत की भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण होगी। साइप्रस की यात्रा को राजनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे में साइप्रस को एक संभावित भागीदार के रूप में देखा जा रहा है।

भीषण गर्मी ने ढाया कहर

उबल रहे हैं शहर

राजस्थान में गर्मी का रेड अलर्ट, श्रीगंगानगर में पारा 49.4 डिग्री

देश के 22 शहरों में तापमान 44 डिग्री के पार, जीना हुआ मुहाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून के मुंबई-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर रुकने के कारण, दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर को छोड़कर सभी राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। शुक्रवार को राजस्थान के श्रीगंगानगर में पारा 49.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया लगातार छठे दिन श्रीगंगानगर देश में सबसे गर्म शहर रहा। उधर, भीषण गर्मी के चलते उत्तर प्रदेश के सरकारी प्राइमरी स्कूलों में छुट्टियां 15 दिन बढ़ा दी गई हैं। अब स्कूल 30 जून तक बंद रहेंगे। पूर्वी राजस्थान, जम्मू संभाग, हरियाणा और मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर लू चली। देश के 22 शहरों में पारा 44 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। मानसून के 25 जून तक उत्तर-पश्चिम भारत के राज्यों में पहुंचने की उम्मीद है। आईएमडी के मुताबिक 22-23 जून तक दिल्ली पहुंचने की संभावना है। दक्षिण-पश्चिम मानसून आमतौर पर 1 जून तक केरल में दस्तक देता है, 11 जून तक मुंबई पहुंचता है और 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लेता है। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और लू के चलते त्राहिमाम मचा हुआ है। अब सभी को बारिश और मानसून का बेसब्री से इंतजार है। मानसून को लेकर मुस्लिम धर्मगुरुओं ने शुक्रवार को होने वाली जुमे की नमाज में भी दुआ मांगी है ताकि आम जनता को इस भीषण गर्मी से निजात मिल सके। दूसरी ओर मौसम वैज्ञानिक मानसून को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दे पा रहे हैं कि कब तक यूपी में मानसून की एंट्री होगी। हालांकि मानसून आने से पहले ही प्रदेश में बारिश दस्तक दे चुकी है। कई जगहों पर बारिश दर्ज की गई है, लेकिन यह मानूसन नहीं है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो अभी मानसून का कोई स्टेटमेंट नहीं आया है। बंगाल, बिहार और झारखंड में अगले 4 से 5 दिनों में मानसून आ सकता है। उसके बाद यूपी में मानसून का स्टेटमेंट आएगा।

ईरान ने और मिसाइलें दागी तो तेहरान जला देंगे

- इजराइल के रक्षा मंत्री की धमकी, 24 घंटे में 138 की मौत

तेलअवीव (एजेंसी)। इजराइल और ईरान के बीच टकराव में पिछले 24 घंटे में अब तक 138 लोग मारे गए हैं। इजराइल ने शुक्रवार रात 10.30 बजे दूसरी बार ईरान के परमाणु ठिकानों पर फाइटर जेट्स हमले किए। इस हमले में 60 लोगों की मौत हो गई। 350 से ज्यादा लोग घायल हुए। इससे पहले शुक्रवार सुबह 5.30 बजे हुए हमले में 78 लोग मारे गए थे। इनमें 6 परमाणु वैज्ञानिक और 20 से ज्यादा ईरानी कमांडर्स की मौत हुई। ईरान ने शुक्रवार रात हमले के तुरंत बाद पलटवार किए और ईजराइल की ओर 150 से ज्यादा मिसाइलें

दागीं। 6 मिसाइलें राजधानी तेल अवीव में गिरीं, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई। 90 से ज्यादा लोग घायल हैं। ईरान ने दावा किया कि मिसाइल इजराइली रक्षा मंत्रालय पर भी गिरी। हालांकि अभी तक इजराइल ने इसकी पुष्टि नहीं की है। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को सुरक्षित ठिकाने पर शिफ्ट कर दिया गया था। रक्षा मंत्री ने कहा-ईरान ने आगे मिसाइलें दागीं तो तेहरान जला देंगे।

- **यूएन में चीन के राजदूत बोले-हद पार कर रहा इजराइल-** संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत फू कांग ने इजराइल के ईरान पर हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह ईरान की संप्रभुता का उल्लंघन है। ईरान के न्यूक्लियर फैसिलिटी पर हमला हुआ, इसे लेकर हम चिंतित हैं। इजराइल ने एक बार फिर से हद पार की है। ईरान की सरकारी टीवी चैनल तस्मीन न्यूज के मुताबिक इजराइली हमले में 2 और बड़े ईरानी जनरल को मारे जाने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक सेना के खुफिया विभाग के डिप्टी चीफ जनरल गुलाम रेजा मेहराबी और ऑपरेशन डिप्टी चीफ जनरल मेहदी रब्बानी मारे गए हैं। इससे पहले ईरान ने माना था कि उनके 4 बड़े सैन्य अफसरों की मौत हो चुकी है। आईडीएफ ने कहा कि शुक्रवार रात उनके दर्जनों फाइटर जेट्स ने रातभर ईरान की राजधानी तेहरान पर हवाई हमला किया। इस दौरान ईरानी एयर डिफेंस इंफ्रास्ट्रचर को भी निशाना बनाया गया। इजराइली एयरफोर्स के चीफ टोमर बार ने कहा कि इस ऑपरेशन के लिए इजराइली सेना ने 1500 किमी से ज्यादा का सफर तय किया। इजराइली डिफेंस फोर्स ने रिजर्व फोर्स को लेबनान से लगी सीमा पर बैकअप फोर्स के रूप में बुलाया है। कई अन्य रिजर्व बटालियनों को लेबनान और सीरियाबार्डर पर तैनात किया है।

अगला नंबर तेरा जरूरी नहीं इस बार लाश मिले

अमृतपाल ने अब इन्फ्लुएंसर दीपिका लूथरा को धमकाया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन उर्फ कमल कौर भाभी की बठिंडा में हत्या के मामले के मास्टरमाइंड निहंग अमृतपाल सिंह मेहरों ने अब सोशल अमृतसर की सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर दीपिका लूथरा को धमकी दी है। एक वीडियो जारी कर उसने कहा कि वह पहले भी उसके अश्लील कंटेंट को लेकर उसे समझा चुका है, यहां तक कि दीपिका उससे माफी भी

मांग चुकी है। इसके बावजूद वह फिर से अश्लील वीडियो डाल रही है। दीपिका को चेतावनी देते हुए अमृतपाल ने कहा है कि अगर वह अब भी नहीं सुधरी तो उसे भी नहीं बख्शा जाएगा। वीडियो में अमृतपाल ने कहा कि पार्किंग सिर्फ बठिंडा में ही नहीं होती और यह भी जरूरी नहीं कि हर बार लाश मिले। इस धमकी के बाद से अमृतसर की सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर दीपिका लूथरा सहम गई है और परिवार में डर का माहौल है।

भारत ने किया कमाल, ट्रंप की इच्छा रह गई अधूरी !

राष्ट्रपति की धमकी के बावजूद भारत में आईफोन्स का प्रोडक्शन बढ़ा

वाशिंगटन (एजेंसी)। ऐसा लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वह इच्छा अधूरी ही रह गई है, जिसमें वह चाहते थे कि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन भारत में असेंबल ना किए जाएं। कुछ वक्त पहले अपनी कतर यात्रा के दौरान ट्रंप ने इस बारे में खुलकर मीडिया के सामने बोला था। उन्होंने एपल सीईओ टिम कुक से डायरेक्ट बात की थी। लेकिन आंकड़े कुछ और ही गवाही दे रहे हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में आईफोन्स की असेंबलिंग करने वाली प्रमुख कंपनी फॉक्सकॉन ने मार्च से मई के बीच भारत से लगभग सभी आईफोन्स को अमेरिका में भेजा है। कस्टम डेटा से इसकी जानकारी मिली है। यह पिछले साल भेजे गए 50 फीसदी आईफोन्स के आंकड़े से काफी ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका और चीन के टैरिफ वॉर से बचने के लिए एपल ने भारत से अपने एक्सपोर्ट को अमेरिकी मार्केट के लिए फिर से ठीक किया है। इससे पहले कंपनी भारत में असेंबल स्मार्टफोन्स को नीदरलैंड, चेक रिपब्लिक, ब्रिटेन आदि देशों में सर्वाधिक सप्लाई कर रही थी, लेकिन अब उसने अमेरिका पर फोकस बढ़ा दिया है।

- **97 फीसदी आईफोन पहुंचाए गए अमेरिका, आईफोन 17 सीरीज की तैयारी-** रिपोर्ट के अनुसार, मार्च से मई के दौरान फॉक्सकॉन ने भारत से 3.2 अरब डॉलर के आईफोन एक्सपोर्ट किए। उनमें से 97 फीसदी को अमेरिका भेजा गया। रिपोर्ट कहती है कि इस मामले पर ऐपल और फॉक्सकॉन ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। याद रहे कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सबके सामने कहा था कि हमें भारत में आईफोन्स असेंबलिंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। भारत अपना ख्याल रख सकता है। वो बहुत अच्छा कर रहे हैं। ट्रंप, एपल से चाहते हैं कि कंपनी अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग करे। हालांकि यह नहीं पता चल पाया है कि एपल ने आईफोन्स की कौन सी सीरीज अमेरिका पहुंचाई है। कंपनी ने आईफोन 17 सीरीज का प्रोडक्शन भी देश में शुरू कर दिया है।

पंजाब की पॉलिटिक्स में फिर से ऐक्टिव हो रहे सिद्धू

- 'पाजी' को संभाल पाएगी कांग्रेस, लग रहा है मुश्किल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस के दिग्गज नेता व पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने पंजाब की राजनीति और कांग्रेस में ऐक्टिव रहने के सवालों को लेकर बड़ा बयान दिया है। नवजोत सिंह सिद्धू ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि मैं तो परिवर्तन करने के लिए राजनीति में आया था, कोई धंधा करने नहीं। पंजाब में कांग्रेस के लिए वक्त-वक्त पर मुसीबत खड़ी करने वाले नवजोत सिंह सिद्धू पार्टी से खासा नाराज दिख रहे हैं। उनका कहना है कि पिछले 30 साल से जितनी भी सरकारें पंजाब में आई, सभी को माफिया चलाता था, लेकिन मैं आज भी अपने उसूलों पर कायम हूं। पंजाब में 2022 की विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को आम आदमी पार्टी के हाथों बड़ी हार मिली थी। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, कांग्रेस की हार के पीछे एक बड़ी वजह नवजोत सिंह सिद्धू थे। नवजोत सिंह सिद्धू ने पहले अमरिंदर सिंह के खिलाफ मोर्चा खोला था और पार्टी को उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी से हटना पड़ा था। इसके बाद जब चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया गया तो नवजोत सिंह सिद्धू उनसे भी लगातार भिड़ते रहे हैं।

नीटयूजी 2025 में राजस्थान के महेश बने टॉपर

- एमपी के उत्कर्ष की दूसरी रैंक, टॉप 10 में सिर्फ एक लड़की
- कहा-यूपीएससी करना चाहता था, टीचर ने नीट की सलाह दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट यूजी 2025 का रिजल्ट शनिवार को जारी कर दिया। 20.08 लाख स्टूडेंट्स बैठे थे। इनमें से 112.3 लाख स्टूडेंट्स क्वालिफाई हुए हैं। राजस्थान के हनुमानगढ़ के महेश केसवानी ने टॉप किया है। उन्हें 720 में से 686 मार्क्स मिले हैं। ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल करने वाले हनुमानगढ़ के महेश केसवानी ने बताया कि 10वीं के बाद वो आर्ट्स लेकर यूपीएससी की तैयारी करना चाहता था। मगर एक टीचर के समझाने से उसने साइंस ली और नीट की तैयारी करने लगा। एमपी के इंदौर के उत्कर्ष अवधिया की सेकेंड और महाराष्ट्र के कृषांग जोशी की थर्ड रैंक आई है। टॉप 10 में केवल 1 लड़की है। दिल्ली की अविका अग्रवाल को फीमेल कैटेगरी में पहला स्थान मिला है। कैंडिडेट्स एनटीए की ऑफिशियल वेबसाइट पर लॉग इन करके नीट रिजल्ट 2025 डाउनलोड कर सकते हैं। 2024 में अनारक्षित कैटेगरी के लिए कट-ऑफ स्कोर 162 था, जो इस साल घटकर 144 हो गया है। बीते साल एआईआर 1 पर 17 स्टूडेंट्स थे। इन सभी ने 720 में से 720 स्कोर किए थे। इस साल मुश्किल पेपर की वजह से टॉपर का स्कोर और कट-ऑफ नीचे आ गया है। इंदौर के सेंटर्स पर नीट यूजी परीक्षा देने वाले 75 कैंडिडेट्स ने शिकायत की थी कि 4 मई को आंधी-तूफान और बिजली चली जाने की वजह से उनका पेपर बिगड़ गया। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में दायर याचिकाओं पर 9 जून को सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा है कि एनटीए इन 75 कैंडिडेट्स को छोड़कर बाकी सभी का रिजल्ट जारी कर सकता है। इन 75 छात्रों का रिजल्ट बाद में जारी किया जाएगा।

संपादकीय | उड़ान सुरक्षा मानकों पर फिर उठने लगे हैं सवाल?

अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास हुई भीषण विमान दुर्घटना ने देश को झक्झोर दिया है। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद हुई इस दुर्घटना से जांचकर्ताओं और विमानन विशेषज्ञों के सामने कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। भारत में पिछले दशकों में कई हवाई दुर्घटनाएं देखी गई हैं। हरेक हादसे के बाद विमानन क्षेत्र में सुरक्षा के नए मानकों को लेकर मंथन हुआ है और जरूरी बदलाव किए गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक छानबीन के तय मानक हैं और सुझावों को हर देश को मानना होता है। सवाल उठता है कि अहमदाबाद में क्या हुआ। हादसे के जो वीडियो सामने आए हैं, उनसे स्पष्ट है कि विमान उड़ते समय नीचे गिरा। अचानक विमान की बिजली ठप हो जाने से ऐसा होता है। इससे इंजन बंद हो जाते हैं, लेकिन इस बात की कम संभावना होती है कि किसी विमान के दोनों इंजन एक साथ बंद हो जाएं। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस हादसे में एक बात खटकने वाली है। विमान के उड़ान भरते ही लैंडिंग गियर को ऊपर उठा दिया जाता है, लेकिन इसका लैंडिंग गियर नीचे था। संभव है कि पायलट को इंजन में खराबी का पता चला हो और उसने संभालने की कोशिश की हो।

दर असल, विमान का उड़ान भरना और उतरना उड़ान का सबसे खतरनाक चरण होता है। जब यह हादसा हुआ, तब विमान 625 फुट की ऊंचाई पर था, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या चालकदल किसी एक ही समस्या से निपट रहा था या एक साथ कई समस्याओं से। हादसे का शिकार हुआ विमान बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर था जो चौड़े आकार वाला और दो इंजन से लैस होता है।

जब जांच होगी तो पहला सवाल यही पूछा जाएगा कि यह विमान उड़ान भरने के लिए सही ढंग से तैयार था या नहीं।

जेट विमानों में कई सहयोगी प्रणालियां होती हैं जिसमें केवल एक इंजन के साथ ऊपर चढ़ने की क्षमता भी शामिल होती है। अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि एअर इंडिया के इस विमान ने कितनी उड़ानें पूरी की थीं। फ्लाइटरडार24 के आंकड़ों के मुताबिक, यह विमान एक दशक से भी ज्यादा पुराना था। बोइंग के ड्रीमलाइनर को लेकर अतीत में सुरक्षा संबंधी चिंताएं सामने आई थीं, लेकिन कभी दुर्घटना नहीं हुई थी।

भारतीय वायु क्षेत्र में पिछला बड़ा हादसा 2020 में हुआ था, जब एअरइंडिया एक्सप्रेस की सहायक कंपनी का एक यात्री विमान केरल में बारिश से भीगे रनवे पर फिसल गया और दो टुकड़ों में टूट गया। कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2010 में, एअर इंडिया एक्सप्रेस का एक विमान मैंगलोर में एक पहाड़ी रनवे से फिसल गया था। विमान में आग लग गई थी, जिसमें 150 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

यह वह दौर था, जब भारत के तेजी से बढ़ते विमानन क्षेत्र में सुरक्षा और व्यावसायिकता को लेकर कई स्तर पर लोग चिंतित थे। अब स्थिति सुधरने लगी थी और विमानन क्षेत्र ने करवट लेनी शुरू की थी। सरकार ने उड़ान समेत कई नई योजनाएं शुरू कीं। ऐसे में बड़े हादसे से समूची कवायद ठिठक जाएगी। उठे सवालों पर मंथन कर आगे बढ़ना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि झक्झोर देने वाले इस हादसे से विमानन कंपनियों समेत तमाम पक्ष सबक लेंगे और सुरक्षा की सौ फीसद गारंटी दी जा सकेगी।

बिजली कर्मचारियों की हड़ताल पर उत्तर प्रदेश सरकार का बड़ा फैसला

भीषण गर्मी का दौर जारी है। गर्मी से बचाव के लिए पंखे और एअरकंडीशनर का उपयोग बढ़ गया है। ऐसे समय में बिजली कर्मचारी हड़ताल पर चले जाएं, तो लोगों की परेशानियां बढ़ सकती हैं। उत्तर प्रदेश में बिजली कंपनियों के निजीकरण के खिलाफ कर्मचारियों में बड़े आंदोलन की सुगबुगाहट निस्संदेह चिंता का विषय है। राज्य में बिजली आपूर्ति बाधित होने से पहले ही राज्य सरकार सरकार अगर अपनी तैयारी कर लेना चाहती है, तो यह कोई गलत भी नहीं। बिजली विभाग और उससे संबंधित वितरण कंपनियों में हड़ताल की संभावनाओं को देखते हुए आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम (एस्मा) लागू करने का निर्णय दूरगामी कदम है। कर्मचारियों में बढ़ते गुस्से को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने न केवल हड़ताल पर छह महीने की रोक लगाई है, बल्कि उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश भी जारी कर दिया है। आंदोलन करने पर कर्मचारी बिना किसी जांच के बर्खास्त कर दिए जाएंगे। पिछले दिनों कार्मिक नियमावली में संशोधन कर सरकार ने जिस तरह कड़ा रुख अपनाया है, इससे लगता है कि वह कर्मचारियों के आगे झुकने के लिए तैयार नहीं है। वह राज्य में बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना चाहती है। गौरतलब है कि बिजली कंपनियों के निजीकरण के खिलाफ राज्य भर के कर्मचारी पहले भी नाराजगी जताते रहे हैं। इस मसले पर सरकार से उनका कई बार टकराव हो चुका है। इस बार मुद्दा बिजली निगमों के निजीकरण का तो है ही, सेवा नियमावली में व्यापक संशोधन व बड़े अधिकारियों को मनमाने अधिकार दिए जाने से भी कर्मचारी आक्रोश में हैं। सवाल यह भी है कि अगर शांतिपूर्वक आंदोलन करने पर कर्मचारियों को बर्खास्त किया जाता है या उन्हें पदावनत किया जाता है, तो यह अलोकतांत्रिक ही नहीं, मौलिक अधिकारों का भी हनन होगा। ऐसी परिस्थिति में कर्मचारियों के साथ मिल-बैठ कर बीच का कोई रास्ता निकाला जा सकता है। कोई दो मत नहीं कि राज्य सरकार ने गर्मी के दौरान बिजली की लगातार बढ़ती मांग को ध्यान में रख कर ही सख्ती दिखाई है। कर्मचारियों को भी चाहिए कि वे संयम और अनुशासन में रहते हुए अपनी बात रखें।

आज का कार्टून

आखिर कौन होगा भाजपा का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष!

देश-दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी का अगला नया राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन बनेगा, इसको लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के वरिष्ठ रणनीतिकारों के बीच माथापच्ची जारी है। कहने को तो यहां तक बताया जा रहा है कि अगले एक से डेढ़ महीनों में यह प्रक्रिया पूरी हो सकती है, क्योंकि राज्यों में संगठन चुनाव अंतिम चरण में हैं। लेकिन बात सिर्फ इतनी नहीं है! इसलिए सावधान! आखिर कौन होगा भाजपा का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष, अब इसके लिए लॉबिंग करवा रही हैं विदेशी खुफिया एजेंसियां? जी हां, सीआईए की पूरी दिलचस्पी है इसमें! कुछ और छिपे रुस्तम होने की चर्चा है। तभी तो ब्रेक के बाद फैसला टल जाता है, पर कबतक? दरअसल, अंतरराष्ट्रीय मामलों के एक जानकार ने नाम नहीं छापे जाने की शर्त पर बताया कि विगत कुछेक वर्षों से अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर किसी भी तरह से भाजपा/आरएसएस के रिश्तों को कमजोर करने में जुटी हुई है। इसके लिए वो नए भाजपा अध्यक्ष के नाम पर भी अंतर्विरोध पैदा करवा रही हैं। वहीं चीनी की खुफिया एजेंसी भारतीय विपक्ष को मजबूत करने के लिए हर दांव चल रही है। लेकिन मोदी मैजिक और योगी के हठयोग के आगे सबको पानी भरना पड़ रहा है।

कमलेश पांडे

वाकई, जिस तरह से इस महत्वपूर्ण पद के लिए एक अनार, सौ बीमार वाली स्थिति पैदा की जा रही है, वह किसी अन्य आशंका को भी जन्म दे रहे हैं। इसलिए भारत में कोई दूसरा मोरारजी देसाई जैसा गद्दार पीएम नहीं बन सके, यह भी देखना भाजपा-संघ की ही जिम्मेदारी है। क्योंकि जनता को उससे बहुत उम्मीदें हैं। इसलिए सोच समझकर फैसला करें और जल्दी करें। यही श्रेयस्कर होगा।

देखा जाए तो बीजेपी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष कब मिलेगा, इसकी चर्चा तकरीबन एक-डेढ़ साल से चल रही है। जबकि अब यह तय माना जा रहा है कि अगले एक से डेढ़ महीनों के भीतर बीजेपी अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष तय कर लेगी। पार्टी मामलों के जानकारों के मुताबिक, अगले कुछ हफ्तों में सभी राज्यों में संगठन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, जिसके बाद तकरीबन 20 दिन में राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया भी पूरी हो जाएगी। इस तरह से जुलाई आखिर या अगस्त के पहले हफ्ते में यह हो सकता है। वहीं कुछ लोग बता रहे हैं कि संसद के मानसून सत्र से पहले पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। इसके लिए राष्ट्रीय सहमति बनाई जा रही है, क्योंकि अभी तक किसी एक नाम पर सहमति नहीं बन पाई है।

पार्टी मामलों के जानकारों के मुताबिक, राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर अभी तलक किसी एक नाम पर सहमति नहीं बनी है। जबकि पार्टी के सीनियर नेताओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सीनियर पदाधिकारियों के बीच भी किसी एक नाम पर चर्चा नहीं हुई है। चूंकि अलग-अलग वजहों जैसे- आम चुनाव 2024, विधानसभा चुनाव महाराष्ट्र, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर आदि के चलते सांगठनिक चुनाव की प्रक्रिया में देरी होती रही। वाकई, पहले विधानसभा चुनाव में अलग अलग राज्य इकाइयां व्यस्त थी और फिर 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सारा फोकस वहां शिफ्ट हो गया था। वहीं, अभी यूपी, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के नाम तय नहीं हो पाए हैं। इस प्रकार कुल 28 राज्य और 9 यूटी में से अभी तक दो दर्जन में ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त हो पाए हैं। इसके अलावा, संघ प्रमुख की सहमति भी एक बड़ी वजह बनकर सामने आई है, क्योंकि लोकसभा चुनाव 2024 में भले ही बीजेपी ने 370 सीटें जीतने का टारगेट रखा था, लेकिन संघ के कथित असहयोग की वजह से मैजिक नंबर 272 तक के करीब भी नहीं पहुंच पाई थी। जिसके बाद से ही यह तय माना जा रहा है कि अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी संगठन पर ज्यादा ध्यान देगा।

यही वजह है कि अब जो भी नया अध्यक्ष बनेगा, वह संघ की पूरी सहमति से ही बनेगा। अन्यथा भाजपा की नाव बीच मझधार में डूब सकती है। चूंकि अटल-आडवाणी की जोड़ी के बाद मोदी-शाह की जोड़ी तो हिट रही है, लेकिन विभिन्न कारणों से इन्हें अब पूरी छूट नहीं दी जा सकती है। क्योंकि पहले सिंधी-पंजाबी लॉबी और अब गुजराती लॉबी के मजबूत होने का जो संदेश जनमानस में गया है, उससे हिंदी पट्टी के जागरूक लोगों में गहरी निराशा है। यह समाजवादियों/कांग्रेसियों/वामपंथियों का गढ़ रहा है। इसलिए यहां पर भाजपा-संघ की पकड़ मजबूत बनाये जाने के संघ किसी जमीनी नेता को भाजपा की कमान सौंपना चाहता है। वहीं, संघ ने यह भी साफ कर दिया है कि चूंकि केंद्र सरकार में या राज्य सरकारों में मंत्री रह चुके कई लोगों को इस बार सरकार में जगह नहीं मिली है, इसलिए यह माना जा रहा है कि उन्हें संगठन की जिम्मेदारी दी जा सकती है, ऐसा बिल्कुल नहीं होगा। यही वजह है कि किसी केंद्रीय मंत्री के भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की संभावना से भी पार्टी नेताओं ने इनकार किया है, जबकि मोदी-शाह लॉबी ऐसा ही करना चाहती है। वहीं बिहार विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय कैबिनेट फेरबदल होने की चर्चाएं भी तेज हैं, इसलिए कुछ करिश्माई फैसले की उम्मीद सबको है।

समझा जाता है कि इस बार जो भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा, वही अगले प्रधानमंत्री के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अगली कैबिनेट और राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, विभिन्न मंत्रियों आदि के चयन में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी, इसलिए संघ अपने मजबूत आदमी को इस पद पर बैठाना चाहता है, ताकि आडवाणी और शाह जैसी जलालत आगे झेलने की नौबत नहीं आए। यही वजह है कि औद्योगिक घरानों को भी संघ के सिपाहियों ने सतर्क कर दिया है कि व्यक्तिविशेष के प्रति निष्ठा रखेंगे तो मुश्किल बढ़ेगी।

भाजपा के संविधान के मुताबिक, जब कम से कम 50 प्रतिशत प्रदेशों में सांगठनिक चुनाव पूरे हो जाते हैं, उसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। ऐसे में जब राष्ट्रीय परिषद बन जाएगा तो राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन और मतदान और मतगणना की तारीख तय करते हैं। ऐसे में अगर नामांकन एक से ज्यादा उम्मीदवारों का हुआ तो फिर मतदान होता है। हालांकि बीजेपी के अब तक के इतिहास में कभी भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए मतदान की स्थिति नहीं आई है। अबतक तो निर्विरोध ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव हुआ है।

बीजेपी के संविधान के मुताबिक, पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष वही व्यक्ति बन सकता है, जो कम से कम 15 वर्षों तक पार्टी का सदस्य रहा हो। राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव निर्वाचक मंडल करता है, जिसमें राष्ट्रीय परिषद के सदस्य और प्रदेशों के सदस्य शामिल हैं। निर्वाचक मंडल में से कोई बीस सदस्य राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति के नाम का संयुक्त रूप से प्रस्ताव पेश कर सकते हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले जिला संगठनों के चुनाव, प्रदेश संगठन और राष्ट्रीय परिषद के चुनाव होते हैं। बता दें कि भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की रेस में संजय जोशी, योगी आदित्यनाथ, मनोहरलाल खट्टर, मनोज सिन्हा, शिवराज सिंह चौहान, भूपेन्द्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान, सुनील बंसल, इकबाल जी किशन रेड्डी आदि का नाम आगे है। इसमें से संजय जोशी व जी किशन रेड्डी के अलावा तमाम नाम संघ की कसौटी पर अनफिट बैठते हैं। इसलिए किसी अन्य तुरूप के पत्ते की भी पूरी गुंजाइश है जिसके लिए संघ-भाजपा मशहूर रहे हैं।

इनके तीनों के अलावे तमिलनाडु से आने वाली वानति श्रीनिवासन, तमिलिसाई सौंदर्यराजन और आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम व टीडीपी संस्थापक एन.टी. रामाराव की बेटी डी. पुरंदेश्वरी का नाम भी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए चल रहा है। चूंकि तीनों महिलाएं दक्षिण से आती हैं। इसलिए पार्टी इन्हें मौका देकर दक्षिण में अपनी पैठ बनाने में जुटना चाहती है।

गौरतलब है कि संसद का मानसून सत्र आगामी 21 जुलाई से शुरू होने वाला है। इसलिए सत्र की शुरुआत से पहले नए भाजपा अध्यक्ष के नाम का ऐलान हो सकता है। इस बाबत अगले हफ्ते से पार्टी की कवायद तेज हो जाएगी और 10 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष जल्द ही चुन लिए जाएंगे। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बता दें कि भारतीय जनता पार्टी के वर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 में खत्म हो चुका है। इसलिए अब वह एक्सटेंशन पर हैं। खास बात यह है कि नड्डा भाजपा अध्यक्ष होने के साथ-साथ मोदी सरकार में मंत्री भी हैं। यानी एक व्यक्ति एक पद के कारण भाजपा जल्द नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी में जुटी है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि मानसून सत्र नहीं बल्कि अगस्त महीने में बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर हलचल शुरू होने से पहले बीजेपी अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनना चाहेगी, क्योंकि चुनाव के दौरान विपक्ष के नैरेटिव को ध्वस्त किया जा सके। बता दें कि भाजपा के संविधान के मुताबिक, बीजेपी के अध्यक्ष पद का कार्यकाल तीन साल का होता है। वहीं, एक व्यक्ति दो बार से अधिक पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है। अब जो भी पार्टी के नए अध्यक्ष बनेंगे, उनके सामने 12 अहम चुनाव हैं। इस साल 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव। 2026 में, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम। 2027 में, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, पंजाब, राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति चुनाव में बीजेपी को जीत दिलाने की जिम्मेदारी होगी। इस नजरिए से देखा जाए तो भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के सिर पर फूल नहीं, बल्कि कांटों का ताज होगा। उनके लिए पार्टी की तीसरी पीढ़ी के नेताओं को साधने और चौथी पीढ़ी के काबिल युवाओं को आगे बढ़ाने की दोहरी जिम्मेदारी होगी, ताकि 2047 तक भाजपा का निष्कंटक राज बना रहे। पीएम नरेंद्र मोदी यही चाहते हैं, लेकिन यह सबकुछ संघ के फैसलों पर निर्भर करता है।

बदलते समय में बच्चों को संस्कार कैसे दें?

आज की पीढ़ी घर के बजाय बाहर के भोजन, नींद की कमी और गतिहीन जीवनशैली का शिकार है। अगर बच्चों में प्रारंभ से ही स्वास्थ्य संबंधी आदतें नहीं डाली जाएं, तो वे भविष्य में न तो अपने लिए, न ही दूसरों के लिए उपयोगी सिद्ध हो पाएंगे। इसी तरह स्वावलंबन का संस्कार भी अत्यंत आवश्यक है। घर के छोटे-छोटे काम करने से लेकर अपनी देखभाल तक- ये वे बुनियादी आदतें हैं जो आत्मनिर्भरता को जन्म देती हैं। इसके अलावा श्रम एवं सेवा का संस्कार भी आज के युग में अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो गया है। सेवा भाव और परिश्रम से कतराना आज एक सामान्य प्रवृत्ति बन गई है।

सदाशिव श्रोत्रिय

तेजी से बदलते सामाजिक परिदृश्य में एक गंभीर चिंता उभरकर सामने आई है कि बच्चों में अच्छे संस्कार धीरे-धीरे लुप्त हो रहे हैं। जहां कभी घर-परिवार और विद्यालय मिल कर बच्चों के चरित्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाते थे, वहीं आज यह भूमिका तकनीक, सोशल मीडिया और भौतिकवाद की चकाचौंध ने अपने हाथ में ले ली है। यह स्थिति न केवल बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए, बल्कि संपूर्ण समाज की नैतिक संरचना के लिए भी गंभीर खतरे का संकेत है।

संस्कार केवल कुछ नैतिक नियमों का संकलन नहीं होते, बल्कि यह एक व्यक्ति की आंतरिक चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीयता के मूल तत्त्व होते हैं। संस्कार उस अमूल्य विरासत का नाम है, जिसे माता-पिता अपनी संतानों को देते हैं। जब कोई बच्चा अच्छे संस्कारों के साथ बड़ा होता है, तो वह केवल एक अच्छा व्यक्ति नहीं बनता, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशील और एक प्रेरणादायक इंसान बनता है। यह स्वीकार करना होगा कि संस्कारों की नींव सबसे पहले घर में रखी जाती है। माता-पिता का व्यवहार, उनकी वाणी, उनके निर्णय और उनकी प्राथमिकताएं बच्चों के मानस पर गहरी छाप छोड़ते हैं। मगर, आधुनिक युग में माता-पिता की व्यस्तता, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और सफलता की अंधी दौड़ ने उन्हें बच्चों के लिए समय देना तो दूर, उनके मानसिक और भावनात्मक विकास की चिंता करने से भी वंचित कर दिया है। परिणामस्वरूप, बच्चों की पसंद मोबाइल फोन, टेलीविजन, इंटरनेट और सोशल मीडिया के भरोसे होने लगी है। यह बात अत्यंत चिंताजनक है कि आज के बच्चे अपने माता-पिता या शिक्षकों की बजाय फेसबुक, इंस्टाग्राम और वाट्सऐप से अधिक प्रभावित होते हैं। इंटरनेट पर उपलब्ध आपत्तिजनक सामग्री, हिंसा से भरे वीडियो गेम और निरंकुश मनोरंजन की संस्कृति ने बच्चों के नैतिक आधार को कमजोर कर दिया है। यह स्वाभाविक है कि जब बाहरी दुनिया संस्कारों को विकृत कर रही हो और घर-परिवार या विद्यालय उनका संतुलन न बना पाएं, तो बच्चों के मानसिक विकास में असंतुलन आना तय है।

माता-पिता भी इस बदलते परिवेश में भ्रमित हैं। कुछ इस भ्रम में जी रहे हैं कि संस्कार देने का उनका अधिकार अब उनसे छिन चुका है। कुछ अपनी कमियों की भरपाई बच्चों की हर मांग पूरी करने की कोशिश करते हैं, चाहे वह मांग उचित हो या अनुचित। ऐसे में बच्चे हर चीज को अधिकार समझ कर मांगते हैं और इनकार को अपमान मानते हैं। यह स्थिति माता-पिता व बच्चों, दोनों के लिए घातक है। बच्चों की अनुचित जिद को मान लेना या उनके हर व्यवहार को 'स्वाभाविक' मान कर अनदेखा करना, एक ऐसी गलती है जो भविष्य में बड़े दुष्परिणाम का कारण बन सकती है।

अब यह सवाल उठता है कि संस्कारवान व्यक्ति आखिर होता कौन है? एक ऐसा व्यक्ति जो दूसरों की भावनाओं का सम्मान करता है, सहयोग और सेवा की भावना रखता है तथा अपने लाभ के लिए दूसरों का शोषण नहीं करता- वह संस्कारवान कहलाने योग्य है। उसमें तहजीब, सहनशीलता, विनम्रता, आत्मनियंत्रण और क्षमाशीलता जैसे गुण स्वाभाविक रूप से होते हैं। आज के समय में कुछ विशिष्ट संस्कारों के विकास की आवश्यकता है। पहला है सामूहिकता का संस्कार- जो व्यक्ति को केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए जीने की प्रेरणा देता है। आत्मकेंद्रित जीवनशैली ने इंसान को अपने ही दायरे में सीमित कर दिया है। उसे दूसरों की तकलीफ, संघर्ष और जरूरतों से कोई सरोकार नहीं रह गया है। एक सामूहिक दृष्टिकोण से युक्त व्यक्ति समाज में समानता, शिक्षा का अधिकार, सार्वजनिक संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण और नागरिक उत्तरदायित्व की भावना को महत्त्व देता है। दूसरा आवश्यक संस्कार है- स्वास्थ्य। आज की पीढ़ी घर के बजाय बाहर के भोजन, नींद की कमी और गतिहीन जीवनशैली का शिकार है। अगर बच्चों में प्रारंभ से ही स्वास्थ्य संबंधी आदतें नहीं डाली जाएं, तो वे भविष्य में न तो अपने लिए, न ही दूसरों के लिए उपयोगी सिद्ध हो पाएंगे। इसी तरह स्वावलंबन का संस्कार भी अत्यंत आवश्यक है। घर के छोटे-छोटे काम करने से लेकर अपनी देखभाल तक- ये वे बुनियादी आदतें हैं जो आत्मनिर्भरता को जन्म देती हैं। इसके अलावा श्रम एवं सेवा का संस्कार भी आज के युग में अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो गया है। सेवा भाव और परिश्रम से कतराना आज एक सामान्य प्रवृत्ति बन गई है। लोग हर काम के लिए पैसे देकर सेवाएं लेना पसंद करते हैं, लेकिन किसी की मदद करना या स्वयं श्रम करना उन्हें 'छोटा' लगने लगा है। यह स्थिति न केवल सामाजिक संबंधों को खोखला करती है, बल्कि किसी भी आपदा या संकट के समय मानवीय सहयोग की भावना को भी क्षीण कर देती है। इन सभी परिस्थितियों में यह स्पष्ट होता है कि बच्चों को अच्छे संस्कार देने के लिए माता-पिता को केवल प्रेमपूर्ण नहीं, बल्कि कठोर और विवेकपूर्ण भी होना पड़ेगा। अतः हमें इस तथ्य को समझना होगा कि अच्छे संस्कार केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय प्रगति के भी आधार हैं।

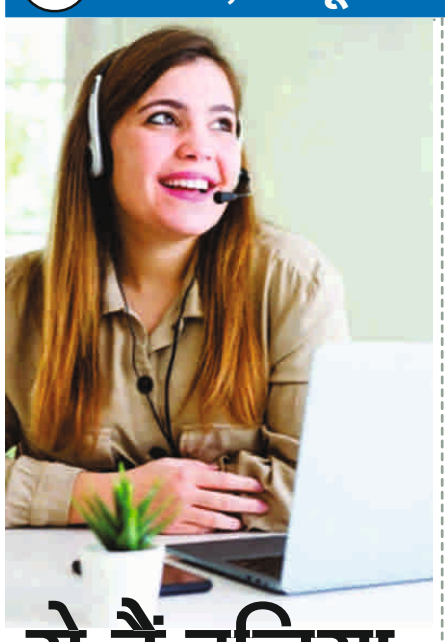

ये हैं दुनिया की 5 सबसे कठिन डिग्रियां

अगर आप अपने करियर को ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते हैं और शानदार कमाई करना चाहते हैं, तो इस आर्टिकल में बताए गई कठिन डिग्रियों में से किसी एक को चुन सकते हैं। हालांकि, इन डिग्रियों को हासिल करना आसान नहीं होता, लेकिन मेहनत और लगन से इन्हें पूरा करके आप अपने भविष्य को सुरक्षित और शानदार बना सकते हैं। अगर आप करियर में ऊंचाइयों को छूना चाहते हैं और अच्छी कमाई का सपना देख रहे हैं, तो आपके लिए सही डिग्री चुनना बेहद जरूरी है। दुनिया में कई डिग्रियां ऐसी हैं, जिन्हें पूरा करना आसान नहीं होता है, लेकिन एक बार हासिल करने के बाद इनका स्कोप और सैलरी पैकेज जबरदस्त मिलता है। कठिनाई के बावजूद, इन डिग्रियों की डिमांड हमेशा बनी रहती है। तो आइए दुनिया की 10 सबसे कठिन डिग्रियों के बारे में जानते हैं, जिन्हें पाकर आप लाखों की कमाई कर सकते हैं।

बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी

अगर आप डॉक्टर बनना चाहते हैं, तो MBBS दुनिया की सबसे कठिन डिग्रियों में से एक मानी जाती है। इसमें लंबे समय तक पढ़ाई, इंटर्नशिप और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग करनी होती है। लेकिन इस फील्ड में करियर बना लिया, तो कमाई की कोई सीमा नहीं होती।

इंजीनियरिंग

इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स काफी कठिन होता है, खासकर तब जब आप टॉप ब्रांच जैसे कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पढ़ाई कर रहे हों। इसमें थ्योरी, प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप का कॉम्बिनेशन होता है, जो इसे और भी चैलेंजिंग बना देता है।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

CA कोर्स दुनिया के सबसे कठिन कोर्सों में से एक है। इसमें कई स्तर के एग्जाम होते हैं और पास करने की दर भी काफी कम होती है। लेकिन अगर आप इसे पूरा कर लेते हैं, तो बड़े कॉरपोरेट हाउस में लाखों-करोड़ों के पैकेज पर जॉब पा सकते हैं या खुद की फर्म शुरू कर सकते हैं।

एस्ट्रोनॉमी और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

अगर आपको अंतरिक्ष और विमानन विज्ञान में रुचि है, तो यह डिग्री आपके लिए है। लेकिन यह बहुत ही कठिन होती है, क्योंकि इसमें गणित, भौतिकी और तकनीकी ज्ञान की गहरी समझ जरूरी होती है। नासा, इसरो जैसी एजेंसियों में काम करने का सपना देखने वालों के लिए यह एक बेहतरीन करियर ऑप्शन है।

लॉ के बाद जज बनने और वकालत करने के अलावा भी हैं ढेर सारे विकल्प

लॉ में करियर लंबे समय से युवाओं के बीच पॉपुलर रहा है और अब इसमें विकल्पों के बढ़ने आपके लिए मनमाफिक विकल्प चुनना भी आसान हो गया है। दरअसल कानूनी पेचिदगियों और समाज के विस्तार के चलते कानून के जानकार प्रोफेशनल्स की जरूरत हर जगह बढ़ गई है। आज के समय में आम लोगों अपने अधिकारों के प्रति काफी जागरूक हैं, वे कानूनी प्रक्रियाओं को समझना चाहते हैं, ऐसे में लॉ में करियर बनाने वालों का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है। साथ ही हर दिन किसी नई खोज या तकनीकी विकास के चलते पुराने और प्रचलित कानूनों में संशोधन करने की जरूरत होती है। और इस लिहाज से भी कानून के जानकारों की मांग में में इजाफा हुआ है।

लॉ का ये है पाठ्यक्रम

लॉ से सम्बंधित 2 पाठ्यक्रम होते हैं पहला, 10+2 के बाद पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रम और ग्रेजुएशन के बाद तीन वर्षीय लॉ पाठ्यक्रम। पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रमों में भी अब पाँच प्रकार के पाठ्यक्रम हो गए हैं – आर्ट्स के छात्रों के लिए बीए एलएलबी, साइंस के छात्रों के लिए बीएससी एलएलबी, कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉम एलएलबी, कंप्यूटर साइंस के छात्रों के लिए बीसीए एलएलबी और मैनेजमेंट के छात्रों के लिए बीबीए एलएलबी। उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आपको क्लैट यानि कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट से गुजरना होगा, जो वर्ष में एक बार होता है। आपकी रैंकिंग के आधार पर आपको कॉलेज अलॉट किए जायेंगे। देश में कई ऐसे सरकारी विश्वविद्यालय हैं, जहाँ केवल लॉ की ही पढ़ाई होती है। ग्रेजुएशन के बाद के लॉ पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय अपना-अपना एंट्रेंस टेस्ट संचालित करते हैं।

इस तरह बनें लायर

वह समय ख़त्म हो गया, जब आप लॉ की परीक्षा पास कर काला कोट पहन कर सीधे वकालत में सकते हैं। लॉ के बाद आपको बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया द्वारा संचालित आल इंडिया बार एग्जामिनेशन यानि एआईबीई देना होगा, जिसके बाद ही आप वकालत के लिए योग्य घोषित कर दी जाएंगी। इसके बाद आपका रजिस्ट्रेशन बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया में हो जायेगा और तब आप वकील के तौर पर काम करने की योग्यता प्राप्त कर लेंगीं।

एकेडमिक्स में जाएं

यदि आपका ध्येय केवल एक वकील की तरह भारत के किसी भी न्यायलय में वकालत को अपना करियर बनाना है, तो इसमें एलएलएम (लॉ में पोस्ट ग्रैजुएट) की कोई भूमिका नहीं है। इसके लिए आपकी एलएलबी की डिग्री ही पर्याप्त है। एलएलएम और पीएचडी मुख्य रूप से वे महिलाएं करती हैं, जो लॉ के क्षेत्र में एकाडेमिक्स में जाना चाहती हैं और आगे चलकर किसी लॉ कॉलेज में एक लेक्चरर के रूप में अपना करियर बनाना चाहती हैं। अगर आप किसी कानून विशेष में स्पेशलाइजेशन करना चाहती हैं, तो पीजी और पीजी डिप्लोमा स्तर पर स्पेशलाइजेशन के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं।

एनवायरमेंटल लॉयर

अगर आप प्रकृति के संरक्षण के बारे में गंभीरता से सोचती हैं तो एन्वायरमेंटल लॉयर बनने के बारे में सोच सकती हैं। इसके जरिए आप प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने से जुड़ी चीजों को बचाने की बात कह सकती हैं। इसके तहत आप पब्लिक इंट्रस्ट लिटिगेशन भी डाल सकती हैं। इसके अलावा एन्वायरमेंटल लॉयर्स की जरूरत एनजीओज में भी होती है, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान पर आवाज उठाते हैं।

साइबर लॉयर

टेक्निकल एडवांसमेंट के दौर में साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं और इन पर काबू पाने के लिए साइबर लॉयर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। खासतौर पर फर्जी ई-मेल भेजना, सोशल अकाउंट हैक करना, कंपनियों के साथ फ्रॉड, खातों से फर्जी तरीके से पैसे निकालना, एसएमएस हैकिंग, मोबाइल क्लोनिंग जैसे मामले सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए कंप्यूटर और नेटवर्क सिक्योरिटी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसे देखते हुए आप कंप्यूटर एंड डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट बनने के बारे में भी सोच सकती हैं।

पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉयर

कई बार लोग अवैध रूप से किसी अन्य व्यक्ति की खोज को अपना नाम दे देते हैं, इससे सुरक्षा देता है पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉ। कानूनी तौर पर अगर कोई थर्ड पार्टी मूल प्रॉडक्ट को बनाना चाहती है, तो उसे इसके लिए लाइसेंस लेने की जरूरत होती है और उस पर रॉयल्टी शुल्क देना पड़ता है। बौद्धिक संपदा यानी Intellectual Property बिजनेस के उभरते हुए क्षेत्रों में से एक है और इसमें यंग प्रोफेशनल्स की अच्छी खासी मांग है।

लेबर लॉयर

कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के अधिकार लेबर लॉ के तहत आते हैं। अक्सर कंपनियों में काम कर रहे इंप्लॉई अपने अधिकार और अन्य विवादों को लेकर अदालत में पहुंच जाते हैं। लेबर लॉ से जुड़े मामलों में इजाफा होने की वजह से इसमें भी आपके लिए आपके लिए अच्छी संभावनाएं हो सकती हैं।

इंटरनेशनल लॉयर

अगर आपकी अंग्रेजी अच्छी है और आपकी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं में रुचि है तो आप इंटरनेशनल लॉयर बनने के बारे में भी सोच सकती हैं। इसके तहत विभिन्न राष्ट्रों के राष्ट्रीय हितों से जुड़ी समस्याओं का कानूनी तरीके से हल निकाला जाता है।

कॉरपोरेट लॉयर

देश में कंपनियों के बढ़ते प्रसार के बीच आजकल कॉरपोरेट लॉ का स्कोप भी काफी अच्छा है। इसके तहत कंपनियां ऐसे प्रोफेशनल्स अपने यहां रखती हैं, जो उन्हें अपनी कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में सलाह दे सकें। कॉरपोरेट लॉयर्स के तौर पर अच्छा तजुर्बा हासिल होने पर अच्छा पे-पैकेज भी मिलता है।

ये हैं जरूरी गुण

- बेहतर संवाद क्षमता
- अच्छी मेमोरी
- हाजिरजवाब
- तार्किक और चीजों का विश्लेषण करने में निपुण
- धैर्यवान होने का गुण
- समस्याओं के अनूठे हल निकालने में सक्षम
- कानूनी पहलुओं की अच्छी जानकारी
- समर्पण और कड़ी मेहनत

यदि आप अपनी बातों को प्रभावी ढंग से सामने वाले के सामने रख सकते हैं और जिसे भारत के कानून के बारे में नई-नई बात जानने की उत्सुकता बनी रहती है, आपके मन में अक्सर किसी व्यवस्था को लेकर उदगार पैदा होते हैं और आप समझते हैं कि यदि आपके हाथ में कानून होता तो इसे ठीक करने की कोशिश करते , तो फिर लॉ का क्षेत्र आपके लिए ही है। अगर आप लॉ के बाद इसमें करियर बनाने की सोच रहे हैं तो आपको बता दें कि इसमें काफी अच्छी संभावनाएं हैं।

बीसीए के बाद अच्छी जॉब के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शंस

बीसीए, एक पॉपुलर अंडरग्रेजुएट कोर्स है, जिसे कंप्यूटर साइंस और आईटी फील्ड में करियर बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, इस कोर्स को करेने के बाद, आगे क्या करें सोच कर आप भी परेशान चल रहे हैं, तो चलिए हम आपको यहां बीसीए के बाद के कुछ बेहतरीन करियर ऑप्शंस के बारे में बताते हैं।

अगर आपने अंडरग्रेजुएट कोर्स बीसीए कर लिया है और अब समझ नहीं आ रहा कि आगे क्या करें, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। भले ही, अक्सर स्टूडेंट्स बीसीए के बाद क्या करें? इस सवाल को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं, पर आपको इतना सोचने की जरूरत अब तो बिल्कुल भी नहीं है, क्योंकि बीसीए के बाद आपके पास करियर के कई बेहतरीन विकल्प होते हैं, जिनमें उच्च शिक्षा, सरकारी नौकरियां और प्राइवेट सेक्टर में हाई-सैलरी जॉब्स शामिल हैं। सही करियर ऑप्शन का चुनाव आप अपने स्किल्स, इंटरेस्ट और करियर गोल्स के आधार पर कर सकते हैं।

इसी क्रम में आइए हम आपकी दुविधा को दूर करते हैं। दरअसल, इस आर्टिकल में हम आपको बीसीए के बाद मिलने वाले टॉप करियर ऑप्शंस के बारे में विस्तार से बताएंगे, जिससे आप अपने फ्यूचर के लिए सही फैसला ले सकें और आगे जाकर आप एक अच्छी जॉब व हाई सैलरी पा सकें। बीसीए के बाद बेहतरीन करियर ऑप्शंस –

MCA (Master of Computer Applications)

अगर आप अपनी तकनीकी स्किल्स को और मजबूत करना चाहते हैं, तो MCA करना एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह कोर्स आपको सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे एडवांस्ड टॉपिक्स सिखाता है। रही बात इस कोर्स के बाद जॉब ऑप्शंस की तो आप इससे सॉफ्टवेयर इंजीनियर, वेब डेवलपर, डेटा साइंटिस्ट, आईटी कंसल्टेंट आदि बन सकते हैं। इसमें आपको लगभग रू 5-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज भी मिल सकता है।

MBA (Master of Business Administration)

अगर आप मैनेजमेंट और लीडरशिप में करियर बनाना चाहते हैं, तो स्क्रुआपके लिए सही रहेगा। खासकर IT Management, Business Analytics और Digital Marketing में MBA करने से आपको कॉर्पोरेट सेक्टर में अच्छी जॉब मिल सकती है। इस जॉब में आपको शुरुआत में कम से कम रू 6-15 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में बनाएं करियर

बीसीए के बाद डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में करियर बनाना आज के समय में बहुत अच्छा विकल्प है। इस फील्ड में जॉब्स की डिमांड तेजी से बढ़ रही है और सैलरी भी काफी अच्छी है। बीसीए करने के बाद, आप डेटा साइंटिस्ट, एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग डेवलपर आदि बन सकते हैं। बात अगर सैलरी पैकेज की करें तो आपको रू 8-20 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डिजिटल मार्केटिंग और SEO में हाथ आजमाएं

अगर आपको क्रिएटिविटी और मार्केटिंग में रुचि है, तो डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतरीन करियर ऑप्शन हो सकता है, जो आप बीसीए करने के बाद आराम से कर सकते हैं। कंपनियां अपने बिजनेस को ऑनलाइन प्रमोट करने के लिए डिजिटल मार्केटर्स को हायर कर रही हैं। ऐसे में, आपको डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, SEO एक्सपर्ट, कंटेंट मार्केटर की पोस्ट मिल सकती है। साथ ही, रू 4-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

'मां' से तीन साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी को तैयार काजोल

काजोल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मां' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। अभिनेत्री अपनी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अभिनेता अजय देवगन बतौर प्रोड्यूसर जुड़े हुए हैं। हालांकि, अजय देवगन और काजोल कई फिल्मों में एक साथ भी नजर आ चुके हैं। अब काजोल ने अजय देवगन के बतौर प्रोड्यूसर काम करने के तरीके को लेकर बात की और बताया कि एक प्रोड्यूसर के तौर पर अजय कैसे हैं।

अनुभवी प्रोड्यूसर हैं अजय

एएनआई के साथ बातचीत में काजोल ने अजय के फिल्म 'मां' के प्रोड्यूसर होने को लेकर बात की। काजोल ने कहा, अजय एक बहुत ही अनुभवी प्रोड्यूसर हैं। स्क्रिप्ट से लेकर म्यूजिक और वीएफएक्स तक उन्होंने इस फिल्म के हर हिस्से पर बहुत ध्यान दिया है। मुझे लगता है कि वीएफएक्स फिल्म का एक बहुत बड़ा हिस्सा है। अजय भी कहते हैं कि वीएफएक्स की शूटिंग एक अलग खेल है। इसलिए उन्होंने बहुत सारी जानकारी दी है।

'मैंने नहीं सोचा था कभी हॉरर फिल्म करूंगी'

आगामी फिल्म 'मां' को लेकर बात करते हुए काजोल ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक हॉरर फिल्म करूंगी, लेकिन अब हम यहां हैं। मुझे इस फिल्म पर बेहद गर्व है। स्क्रिप्ट काफी अच्छी है। मैं पौराणिक कथाओं की बहुत बड़ी शौकीन हूं। मुझे हमारी भारतीय पौराणिक कथाएं बहुत पसंद हैं। हमारे पास बहुत सारी कहानियां हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि यह मेरी पसंदीदा कहानियों में से एक है। मैं बहुत आभारी हूं कि मैंने यह फिल्म की है। मुझे लगता है कि हमने बहुत अच्छी फिल्म बनाई है। बाकी अब दर्शक बताएंगे। लेकिन मां की कसम, हमने अच्छी फिल्म बनाई है।

बड़े पर्दे पर अपनी वापसी से उत्साहित हैं काजोल

मां के जरिए काजोल तीन साल के अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। सिनेमाघरों में उनकी आखिरी रिलीज फिल्म सलाम वेंकी थी। अपने बड़े पर्दे पर वापसी को लेकर काजोल ने कहा कि मैं बहुत उत्साहित हूं। मेरी फिल्म लंबे समय के बाद सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है और मैं इसे लेकर बेहद खुश हूं। हर अभिनेता को समय के साथ खुद को फिर से तलाशना पड़ता है। 27 जून को रिलीज होगी फिल्म
विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित 'मां' को जियो स्टूडियोज के साथ मिलकर अजय देवगन ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म को अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म 'शैतान' से जोड़कर देखा जा रहा है। 'मां' 27 जून को सिनेमाघरों में आ रही है।

सुरवीन चावला ने साझा किए सक्सेस मंत्र

टेलीविजन पर 'कहीं तो होगा', बड़े परदे पर 'हेट स्टोरी 2' और ओटीटी पर 'सेक्रेड गेम्स' से तहलका मचाने वाली अभिनेत्री सुवरीन चावला भले 40 साल की हो चुकी हों, लेकिन उनकी अदाओं और उनकी शोखियों के दीवाने कम नहीं हुए हैं। सुरवीन की दो वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस 4' और 'राणा नायडू 2' इन दिनों हर तरफ चर्चा में हैं। सुरवीन की अपनी शख्सियत ऐसी रही है कि उनको टेलीविजन से लेकर सिनेमा और अब ओटीटी पर हर तरफ प्यार मिल रहा है। एक बातचीत में सुरवीन ने अपनी शख्सीयत की चार बातें साझा कीं।

समय के साथ निखरते रहना जरूरी

सुरवीन से जब बात सुंदर दिखने और अच्छे अभिनय में पहली प्राथमिकता को चुनने की आई तो वह कहती हैं, जिस एक नियम को मैं अपने अभिनय यात्रा में लगातार अपनाती आई हूं, वह है अपनी कला के निखार के लिए लगातार मेहनत करना। ये सही है कि किसी हीरो या हीरोइन के लिए उसका कैमरे के सामने सुंदर दिखना भी जरूरी है लेकिन मेरा मानना है कि अभिनय एक ऐसा हुनर है जो समय के साथ साथ निखरता ही जाना चाहिए।

एक समय में एक ही जगह ध्यान

सुरवीन चावला के करियर की एक खास बात उनको बहुत फोकस्ड रहना भी रहा है। जब उन्होंने टेलीविजन किया तो जी भरकर किया और जब सिनेमा में उन्हें अपनी मादकता दिखाने का वक्त आया तो वह उसमें भी पीछे नहीं रही। सुरवीन कहती हैं, किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए बहुत जरूरी होता है ध्यान केंद्रित रखना। जैसे जैसे हमारे आसपास डिजिटल दुनिया का असर बढ़ रहा है, हमारा ध्यान एक जगह केंद्रित हो पाना बहुत मुश्किल है। लोगों को 30 सेकंड की रील्स में ही मनोरंजन मिल जा रहा है, ऐसे में कलाकारों के सामने दर्शकों को बांधकर रख पाने की चुनौती सबसे बड़ी है।

कहानी के चयन में सावधानी जरूरी

सुरवीन के हिट धारावाहिकों की लंबी लिस्ट रही है। वह फिल्में भी कमाल की कर चुकी हैं। और ओटीटी पर तो उनका धमाल लगातार जारी है। इतनी दमदार कहानियां चुनने के पीछे उनका कौन सा कारक काम करता है, ये पूछने पर सुरवीन चावला कहती हैं, किसी भी कहानी को सुनते समय और उसे स्वीकार करते समय मुझे उस किरदार के कहानी पर पड़ने वाले असर को ध्यान रखना होता है। मैं फैसला इस बिंदु से लेती हूं कि क्या ये किरदार अगर कहानी से हटा दिया जाए तो कहानी वैसी ही बनी रहेगी? अगर इसका उत्तर नहीं है तो ही मुझे कहानी पसंद आती है।

बिना तैयारी के मत आइए

दो दशक से ज्यादा समय से लगातार कैमरे के सामने अपनी दमदार मौजूदगी कायम रखने कामयाब रहीं सुरवीन चावला अभिनय में आने की इच्छुक युवतियों के लिए एक अच्छी सलाह देती हैं। वह कहती हैं, हीरोइन बनने के लिए इच्छुक किशोरियों और युवतियों को मेरी सलाह तो यही है कि अभिनय क्षेत्र किसी भी दूसरे पेशवेर क्षेत्र की तरह चुनौतियों से भरा है। यहां सफलता का कोई शॉर्टकट काम नहीं आता। लंबी रेस में बने रहना है तो इसमें पूरी तैयारी के साथ आना ही ठीक रहेगा।

शकीरा के साथ अगला प्रोजेक्ट करने वाले हैं दिलजीत दोसांझ?

दुनिया भर में अपने गाने 'हिप्स डोंट लाइ' के लिए मशहूर हॉलीवुड सिंगर शकीरा के गानों को भारत में भी पसंद किया जाता है। जल्द ही वह दिलजीत दोसांझ के साथ किसी नए प्रोजेक्ट पर काम कर सकती हैं? या ये दोनों साथ में परफॉर्म कर सकते हैं। हाल ही में दिलजीत दोसांझ का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह इस बात को लेकर इशारा करते नजर आए।

शकीरा ने दिया दिलजीत को सजेशन

बुधवार को दिलजीत दोसांझ टोरंटो में बिलबोर्ड समिट में शामिल हुए। इस मंच से उन्होंने शकीरा के साथ काम करने की बात को साझा किया। सोशल मीडिया पर दिलजीत का यह वीडियो भी वायरल है। वायरल वीडियो में होस्ट के सवाल का जवाब देते हुए दिलजीत कहते हैं, 'हिप्स डोंट लाइ, सर। हां शकीरा ने मुझे अपने अगले टूर के लिए इंवाइट किया है। साथ ही सजेशन दिया है कि हम 'हिप्स डोंट लाइ' का इंडियन वर्जन बनाएं। यह एक मुश्किल काम है लेकिन मैं इसके लिए पूरी तरह से तैयार हूं।'

मेट गाला में शकीरा संग दिखे

पिछले दिनों मेट गाला इवेंट में दिलजीत दोसांझ अपने लुक के लिए चर्चा में रहे। इस इवेंट में शकीरा भी शामिल हुईं। दोनों को एक कार में साथ में बैठे देखा गया। यह वीडियो भी उस वक्त सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ।

दिलजीत दोसांझ का करियर फ्रंट

दिलजीत दोसांझ के करियर फ्रंट की बात करें तो वह फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे। इस फिल्म में सनी देओल, अहान शेट्टी, वरुण धवन जैसे कलाकार भी अभिनय कर रहे हैं। वह फिल्म में निर्मल जीत सिंह सेखों का किरदार निभा रहे हैं, जो इंडियन एयरफोर्स के अधिकारी थे और 1971 के युद्ध में अपने शौर्य के लिए याद किए जाते हैं।

मानुषी छिल्लर की डांस रिहर्सल सेल्फी ने अगले प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा को हवा दी

जैसे-जैसे मानुषी छिल्लर अपनी अगली फ़िल्म मालिक की रिलीज़ की तैयारी कर रही हैं — जो कि राजकुमार राव के साथ एक दमदार गैंगस्टर ड्रामा है। जो 11 जुलाई को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है। फैन अब अनुमान लगा रहे हैं कि क्या उनका नवीनतम सोशल मीडिया पोस्ट इस बात का संकेत है कि मिस वर्ल्ड को पहले ही उनके अगले प्रोजेक्ट के लिए साइन कर लिया गया है?

मानुषी ने हाल ही में मुंबई के एक डांस रिहर्सल स्टूडियो से अपनी मिरर सेल्फ़ी इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। ऑल-ब्लैक आउटफ़िट में फिटेड क्रॉप टॉप, ढीली कार्गो पैंट्स और सफ़ेद स्नीकर्स पहने हुए, वह पूरी तरह प्रोफेशनल लुक में नज़र आईं। उन्होंने अपने फॉलोअर्स को एक सरल लेकिन ओपन-एंडेड कैप्शन स्नीक पीक के साथ और भी अधिक टीज़ किया, लेकिन सेटिंग और उनका लुक कुछ बड़ा होने का संकेत देता है। मानुषी किस लिए ट्रेनिंग ले रही हैं? क्या यह किसी नए म्यूजिक वीडियो के लिए है? या फिर मानुषी बस अपने डांसिंग स्किल्स को निखार रही हैं? या फिर यह मानुषी का अपने अगले प्रोजेक्ट के आने का संकेत है? यह तो वही बता सकती हैं!

हिट की तलाश में सोनाक्षी सिन्हा क्या 'निकिता रॉय' बदलेगी किस्मत?

सोनाक्षी सिन्हा एक बार फिर 'निकिता रॉय' के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। सोनाक्षी शादी के बाद पहली बार किसी फिल्म में नजर आएंगी। यह सस्पेंस थ्रिलर फिल्म सोनाक्षी सिन्हा के लिए काफी महत्वपूर्ण है। क्योंकि सोनाक्षी सिन्हा को एक बड़ी हिट की जरूरत है। सोनाक्षी के करियर को देखें तो उसमें फ्लॉप की कतार काफी लंबी है। ऐसे में 'निकिता रॉय' सोनाक्षी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

काकुड़ा

पिछले साल 2024 में सोनाक्षी सिन्हा ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'काकुड़ा' में नजर आई थीं। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में सोनाक्षी के साथ रितेश देशमुख और साकिब सलीम प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। ओटीटी पर रिलीज होने के बाद भी इस फिल्म को ज्यादा पसंद नहीं किया गया था।

बड़े मियां छोटे मियां

सोनाक्षी अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की एक्शन पैक्ड फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' में नजर आई थीं। काफी हाइप और अक्षय व टाइगर जैसे दो एक्शन हीरो होने के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई।

डबल एक्स एल

बॉडी शेमिंग जैसे मुद्दे को उठाती इस कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में सोनाक्षी के साथ हुमा कुरैशी प्रमुख भूमिका में थीं। ये फिल्म कब आई और कब चली गई पता भी नहीं चला।

भुज: द प्राइड ऑफ इंडिया

2021 में अजय देवगन देशभक्ति से भरपूर फिल्म 'भुज: द प्राइड ऑफ इंडिया' लेकर आए थे। फिल्म की कहानी 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भुज एयरबेस पर हुए हमले को दिखाती है। अजय देवगन और संजय दत्त जैसे सितारे होने के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा भी प्रमुख भूमिका में थीं।

दंबग 3

सोनाक्षी सिन्हा ने 2010 में सलमान खान की फिल्म 'दबंग' से बॉलीवुड में एंट्री की थी। इसके बाद सोनाक्षी इस फिल्म के बाकी दो पार्ट 'दबंग 2' और 'दबंग 3' में भी नजर आईं। 2019 में आई 'दबंग 3' बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई थी।

वेब सीरीज मे आजमाई किस्मत

इस दौरान सोनाक्षी सिन्हा ओटीटी पर वेब सीरीज में भी नजर आईं। पिछले साल वो संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' में निगेटिव रोल में नजर आई थीं। इसे क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। तो वहीं 2023 में सोनाक्षी ने मर्डर मिस्ट्री क्राइम-थ्रिलर में एक पुलिसकर्मी के रोल में दिखी थीं। इस किरदार के लिए सोनाक्षी की काफी तारीफ भी हुई थी।

डंपयार्ड में शूटिंग करके भावुक हुए धनुष

मुंबई में हुए इवेंट में एक्टर धनुष, नागार्जुन अक्किनेनी और रश्मिका मंदाना अपनी आने वाली फिल्म कुबेर के प्रमोशन के लिए एक साथ नजर आए। इस मौके पर फिल्म की कास्ट ने शूटिंग से जुड़े अपने अनुभव और किस्से साझा किए। इस दौरान फिल्म से जुड़े अभिनेता ने साझा किया कि उसके लिए फिल्म कितनी खास है और आखिर क्यों डंपयार्ड में शूटिंग के वक्त उसे अपना बचपन याद आ गया।

शूटिंग के वक्त बचपन की यादें ताजा हो गईं

इस इवेंट के दौरान फिल्म के मुख्य अभिनेता धनुष ने अपने जीवन के सफर को याद किया और बताया कि फिल्म की शूटिंग करते हुए उन्हें अपने बचपन की यादें ताजा हो गईं। धनुष ने बताया कि वो भी एक साधारण परिवार से आते हैं और इस फिल्म की शूटिंग ने उन्हें फिर से अपनी जड़ों से जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि जब वे डंपयार्ड में शूटिंग कर रहे थे, तो ऐसा लगा जैसे पुराने दिनों में लौट गए हों।

कई लोगों ने कहा था बहुत मुश्किल होगी शूटिंग

इस दौरान मजाकिया अंदाज में धनुष ने कहा, हमने 6-7 घंटे डंपयार्ड में शूटिंग की और रश्मिका बिल्कुल ठीक थीं। मैंने पूछा, रश्मिका तुम्हें कुछ महसूस नहीं हो रहा? तो रश्मिका बोलीं, मुझे तो कुछ भी महक नहीं आ रही। बहुत लोगों ने कहा था कि ये शूटिंग बहुत मुश्किल होगी, हम सब मास्क पहने थे लेकिन सच कहूं तो इतना बड़ा चैलेंज नहीं था, सब ठीक था। धनुष ने आगे कहा कि आज मैं जहां हूं, उसके लिए मैं बहुत शुक्रगुजार हूं। यह फिल्म मेरे लिए कई वजहों से खास है, क्योंकि इसने मुझे फिर से उस दुनिया से जोड़ दिया, जहां से मैं आया हूं।

धनुष ने 'कुबेर' के लिए दिल से जताया आभार

धनुष ने आगे कहा कि आमतौर पर हम अपने कम्फर्ट जोन में रहते हैं, लेकिन इस फिल्म ने मुझे फिर से वो पुराना समय दिखाया। मैं भगवान का धन्यवाद करता हूं कि आज मैं यहां हूं, लेकिन अपने बचपन की यादों में लौटना मेरे लिए बहुत खास रहा। कुबेर के लिए मैं दिल से आभारी हूं।

आमतौर पर प्रमोशन के लिए नहीं आता, लेकिन...

धनुष ने इस दौरान कहा, मैं आमतौर पर प्रमोशन के लिए नहीं आता, लेकिन कुबेर मेरे लिए बहुत खास है। इस फिल्म की कहानी और इसका अनुभव इतना अलग है कि मैं चाहता हूं ज्यादा से ज्यादा लोग इसे देखें और महसूस करें। फिल्म का हर हिस्सा, हर सीन मेरे दिल के करीब है। जब आप किसी फिल्म को दिल से करते हैं, तो उसे लोगों तक पहुंचाना भी जरूरी लगता है।

भिखारी के किरदार के लिए मैंने कोई रिसर्च नहीं की

धनुष ने हंसते हुए कहा, मैंने फिल्म में भिखारी का रोल किया है। लोग सोचते हैं कि मैंने बहुत रिसर्च की होगी, लेकिन सच बताऊं तो मैंने कुछ नहीं किया। मैं बस सेट पर गया और डायरेक्टर शेखर सर के कहे अनुसार काम किया। उन्होंने सबकुछ बहुत आसान बना दिया।

धनुष ने की निर्देशक की तारीफ

धनुष ने निर्देशक शेखर कम्मुला को स्वर्ग से आया व्हाइट एंजल बताया। उन्होंने कहा कि शेखर सर बहुत अच्छे इंसान हैं। उनकी पॉजिटिव एनर्जी और ईमानदारी ने मुझे बहुत प्रभावित किया। सिर्फ 20 मिनट की कहानी सुनकर ही मैंने फिल्म के लिए हां कर दी थी।

मैं सिर्फ डायरेक्टर का कहा फॉलो करता हूं

धनुष ने अपने एक्टिंग के बारे में बताया कि लोग पूछते हैं कि मैं हर बार किरदार में कैसे ढल जाता हूं। सच कहूं तो मैं ज्यादा मेहनत नहीं करता। मेरे डायरेक्टर मुझे सबकुछ समझा देते हैं, मैं बस उनका कहा फॉलो करता हूं। असली मेहनत फिल्ममेकर्स की होती है।

सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का रखें ध्यान, तय समय में निर्माण कार्य हों पूरे : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधारभूत ढ़ांचे के विकास से राज्य के विकास को गति मिलती है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवागमन को सरल और सुगम बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सड़कों का तंत्र विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग के 10 करोड़ रू. से अधिक लागत के निर्माणाधीन लंबित प्रोजेक्ट्स की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ाईकरण से संबंधित कार्यों में गति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि इन कार्यों में लापरवाही बरतने पर जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

सड़क उन्नयन एवं मरम्मत कार्य मानसून से पहले हों पूरे

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि हर गांव, हर कस्बा सड़क मार्ग से जुड़ा हो ताकि आवागमन में आमजन को परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि सड़कों के उन्नयन एवं मरम्मत से संबंधित कार्यों में गति लाई जाए तथा मानसून से पहले उन्हें पूरा किए जाने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय कार्यों की मॉनिटरिंग व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया जाए ताकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। साथ ही, उन्होंने वन विभाग सहित अन्य विभागों से संबंधित प्रक्रियाओं को समन्वय स्थापित करते हुए पूरा करने के निर्देश दिए।

रेलवे फाटक मुक्त होगा राजस्थान

बैठक में शर्मा ने आरओबी अथवा आरयूबी निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश को शीघ्र पूर्ण रूप से रेलवे फाटक मुक्त किया जाए।

उन्होंने प्रदेश में प्रगतिरत आरओबी अथवा आरयूबी निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभागीय प्रोजेक्ट्स की जानकारी दी। इस अवसर पर संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

कलेक्टर ने सिकराय में तहसील व जलदाय कार्यालय का निरीक्षण किया, मनरेगा कार्यों का भी लिया जायजा

दौसा। जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार ने शुक्रवार को सिकराय क्षेत्र का दौरा करते हुए तहसील कार्यालय, उपकोष कार्यालय एवं जलदाय विभाग के कार्यालय का निरीक्षण किया। साथ ही मीना सीमला ग्राम पंचायत में मनरेगा के तहत चल रहे खेल मैदान समतलीकरण कार्य का भी अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने तहसील कार्यालय में सीमा ज्ञान, पत्थरगढ़ी एवं अन्य लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की और सभी मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपकोष कार्यालय का भौतिक सत्यापन करते हुए स्टाम्प की स्थिति की जानकारी ली तथा पुराने तहसील भवन में स्थित डबल लॉक रूम का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता कार्यालय का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने रिकॉर्ड संधारण की स्थिति का जायजा लिया और क्षेत्र में चल रहे पेयजल आपूर्ति कार्यों, प्रगतिरत परियोजनाओं एवं पेयजल संकट निवारण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्रवासियों को निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके बाद कलेक्टर मीना सीमला ग्राम पंचायत पहुंचे, जहाँ मनरेगा योजना के तहत खेल मैदान समतलीकरण का कार्य जारी है। उन्होंने कार्य स्थल पर पहुंचकर मजदूरों की उपस्थिति जांची, उनसे मजदूरी भुगतान एवं अन्य सुविधाओं के बारे में बातचीत की तथा संतोषजनक कार्य प्रगति पर संतोष जताया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तथा तय समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जयपुर में संचालित होंगी सीएनजी बसें, बोर्ड ने दी मंजूरी

जयपुर। जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड (जेसीटीएसएल) की ओर से जयपुर शहर में यात्रियों की सुविधा के लिए 300 सीएनजी बसों का संचालन किया जाएगा। इन बसों का संचालन मातेश्वरी कंपनी की ओर से किया जाएगा। इसके प्रस्ताव को जेसीटीएसएल की हुई बोर्ड बैठक में मंजूरी दी गई।

जेसीटीएसएल की ओर से वर्तमान में टोडी व बगराना आगार से 200 बसों का प्रतिदिन संचालन कर रहा है। इनमें से टोडी आगार की 70 बसें सितंबर में कंडम हो जाएगी।

इसे देखते हुए सीएनजी बसों का संचालन करने का निर्णय लिया गया। सीएनजी बसों का संचालन करने वाली कंपनी को जेसीटीएसएल की ओर से प्रति किलोमीटर के 61.16 रुपए का भुगतान किया जाएगा। यह राशि पहले 61.20 रुपए थी, जिसमें से कंपनी ने केवल 4 पैसे कम किए हैं।

युवाओं में असमंजस की स्थिति, सरकार त्वरित करे स्थिति स्पष्ट : मदन राठौड़ ने युवाओं को गुमराह क्यों किया?

जयपुर। आरएएस परीक्षा को लेकर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। जूली ने कहा है कि आरएएस 2024 की मैन्स परीक्षा को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ युवाओं से कुछ बोलकर आ रहे है और आरपीएससी कुछ और कह रही है। मदन राठौड़ ने युवाओं को गुमराह क्यों किया? इससे युवाओं में असमंजस की स्थिति बनी हुई है, सरकार को त्वरित इस पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

गृह राज्य मंत्री बेढम कल बाड़मेर दौरे पर, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की करेंगे समीक्षा

जयपुर। गृह राज्यमंत्री जवाहरसिंह बेढम शनिवार को बाड़मेर जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान गृह राज्य मंत्री जिला मुख्यालय पर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की समीक्षा करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम शनिवार को ट्रेन से प्रातः 6 बजे बाड़मेर जिला मुख्यालय पहुंचेंगे। इसके उपरांत शनिवार प्रातः 10 बजे कलेक्ट्रेट में बैठक के दौरान वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की समीक्षा करेंगे। इसके उपरांत प्रातः 11 से दोपहर 12 बजे तक वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत कार्यों एवं गतिविधियों का निरीक्षण करेंगे। इसके उपरांत उनका दोपहर 12 बजे बालोतरा के लिए प्रस्थान करने का कार्यक्रम निर्धारित है।

धारा 55 एवं 57 के लम्बित प्रकरणों की जांच निर्धारित समय अवधि में करें पूरी, मंजू राजपाल ने अधिकारियों को दिए निर्देश

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम-2001 की धारा 55 एवं 57 के तहत लम्बित प्रकरणों की जांच निर्धारित समय अवधि में पूरी कर जांच परिणाम जारी किए जाएं। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने लम्बित पुराने प्रकरणों के निस्तारण में देरी कर रहे अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

राजपाल शुक्रवार को नेहरू सहकार भवन में वीसी के माध्यम से राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम-2001 की धारा 55, 57 (1) एवं 57 (2) के तहत लम्बित प्रकरणों की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने पुराने प्रकरणों के निस्तारण में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारी अपनी कार्यशैली में बदलाव लाकर प्रकरणों का शीघ्र निपटारा करें। स्पष्ट निर्देशों के बावजूद लापरवाही बरत रहे अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि केवल बार-बार नोटिस देकर प्रकरण को लम्बित नहीं रखा जाए। साथ ही, जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट तत्काल सबमिट की जाए। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि सहकारी समितियों में अनियमितताओं के प्रकरणों से आमजन का सहकारिता में विश्वास कम होता है। इसलिए जांच अधिकारी ऐसे प्रकरणों में पूरी ईमानदारी से जांच कर अपनी रिपोर्ट दें। वरिष्ठ अधिकारी भी यह ध्यान रखें कि पर्यवेक्षणीय लापरवाही नहीं हो। राजपाल ने निर्देश दिए कि नए प्रकरणों का भी मुख्यालय से जारी परिपत्र के अनुसार तीन माह की अवधि में आवश्यक रूप से निस्तारण किया जाए। साथ ही, न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणों का भी शीघ्र निस्तारण करवाने का प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिक लम्बित प्रकरणों वाले तीन खण्डों (जयपुर, जोधपुर एवं बीकानेर) की जुलाई माह में फिर से समीक्षा की जाएगी। बैठक में एक वर्ष से कम, एक से 3 वर्ष, तीन से पांच वर्ष एवं पांच वर्ष से अधिक समय से लम्बित प्रकरणों की खण्डवार समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बैठक में अवगत कराया कि वर्ष 2024-25 में कुल 869 प्रकरणों का निस्तारण किया गया, जिनमें धारा 55 के 249, धारा 57 (1) के 342 एवं धारा 57 (2) के 278 प्रकरण शामिल हैं। इसी प्रकार, वर्ष 2025-26 में 31 मई तक 94 प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है, जिनमें धारा 55 के 20, धारा 57 (1) के 42 एवं धारा 57 (2) के 32 प्रकरण शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जयपुर, बीकानेर, जोधपुर एवं भरतपुर खण्ड में प्रकरणों के निस्तारण की प्रगति अच्छी रही है।

लसेड़ी हत्याकांड के 2 मुख्य आरोपी 48 घंटे में गिरफ्तार

चूरू। एक सनसनीखेज हत्याकांड ने चूरू जिले के लसेड़ी गांव में तनाव फैला दिया था, लेकिन जिला पुलिस ने अपनी पेशेवर क्षमता का परिचय देते हुए घटना के महज 48 घंटों के भीतर दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव ने इस त्वरित कार्रवाई की जानकारी देते हुए बताया कि शुरुआती जांच में हत्या के पीछे एक गहरी पारिवारिक रंजिश का संकेत मिला है। यह दिल दहला देने वाली घटना 11 जून की रात को सामने आई, जब राजगढ़ पुलिस थाने को नियंत्रण कक्ष से लसेड़ी गांव में झगड़े की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि मारपीट में गंभीर रूप से घायल विकास कुमार निवासी सूरपुरा जिला भिवानी को एम्बुलेंस से राजगढ़ अस्पताल भेजा जा चुका है। वहीं घटनास्थल पर खून से लथपथ पड़ी विधवा महिला स्नेहलता पत्नी किशोर कुमार (40) निवासी लसेड़ी को पुलिस ने राजगढ़ उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ से उन्हें चूरू जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इसी बीच राजगढ़ के डॉक्टरों ने विकास कुमार को मृत घोषित कर दिया।

रंजिश की परतें खुलीं – अगले दिन 12 जून को घायल स्नेहलता ने अस्पताल में अपना बयान दर्ज कराया। महिला ने पुलिस को बताया कि उनके पति का देहांत दस साल पहले हो चुका था और उनके एक बेटी व एक बेटा है। मृतक विकास कुमार उनके पति के पुराने दोस्त थे और उनका घर पर लंबे समय से आना-जाना था। स्नेहलता के अनुसार उनके ससुराल पक्ष के लोग इस बात से नाराज़गी रखते थे। स्नेहलता ने अपने बयान में आरोप लगाया कि 11 जून की रात विकास उनके घर आया हुआ था। तभी रात 11 बजे उनके चाचा ससुर का पोता बिल्कुपाल पुत्र हरफूल, चाचा ससुर का बेटा राजेश पुत्र काशीराम सहित पांच लोग घर का दरवाजा फांदकर घुस आए। हाथ में लाठी-डंडे लिए इन लोगों ने स्नेहलता और विकास के साथ बेरहमी से मारपीट शुरू कर दी।

गोविन्दगढ़ कृषि विभाग का सहायक अधिकारी 3000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

अलवर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) की अलवर प्रथम चौकी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कृषि विभाग, गोविन्दगढ़ के सहायक कृषि अधिकारी (AAO) अली हसन को 3000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

ACB के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसकी पत्नी के नाम से ग्राम बारोली में खाद-बीज और दवाइयों की लाइसेंसी दुकान संचालित थी। वर्ष 2024 में उसने कस्बा गोविन्दगढ़ में नई दुकान किराये पर लेकर उसी व्यवसाय के लिए लाइसेंस स्थानांतरण हेतु 31 दिसंबर 2024 को कृषि विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया था।

शिकायत में बताया गया कि भौतिक निरीक्षण के बाद बीज के लाइसेंस का स्थान परिवर्तन सहायक कृषि पर्यवेक्षक अली हसन द्वारा कर दिया गया, लेकिन इसके एवज में 1000 रुपये रिश्वत पहले ही ले ली गई थी। इसके अतिरिक्त खाद और दवाइयों के लाइसेंस स्थानांतरण के लिए अधिकारी द्वारा 5000 रुपये रिश्वत की मांग की गई। लगातार रिश्वत की मांग व परेशान किए जाने से तंग आकर परिवादी ने ACB में शिकायत दी।

शिकायत के सत्यापन के दौरान पाया गया कि आरोपी ने पूर्व में 1000 रुपये ले लिये थे तथा शेष 3000 रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा था। योजना बनाकर ACB टीम ने ट्रैप कार्रवाई की और अली हसन को परिवादी से 3000 रुपये लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई ACB चौकी अलवर प्रथम प्रभारी महेन्द्र कुमार (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीएलओ) व राहुल कोटकी (उप महानिरीक्षक पुलिस चतुर्थ) के निर्देशन में की गई।

ACB के अनुसार आरोपी से पूछताछ जारी है तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

जिंदगी-मौत का अधूरा सफर : दादा का अंत... पोती का आरंभ

उदयपुर। कभी-कभी कुदरत ऐसे खेल रचती है, जो इंसानी समझ से परे होते हैं। उदयपुर के रूंडेड़ा गांव के रहने वाले वरदीचंद मेनारिया भी एक ऐसी ही दास्तान के किरदार बन गए, जहां जिंदगी और मौत का फासला बस कुछ घंटों का रह गया।

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में वरदीचंद की जान चली गई। वे लंदन जाने वाले थे... अपनी पोती को देखने का सपना आंखों में लिए। किसे पता था कि खुदा ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था।

उनके भाई भगवान मेनारिया की आंखें भर आईं। कहने लगे, ÷भाई तो जाना ही नहीं चाहता था। पर मजबूरी थी... बड़ा काम मिला था। जाने से पहले कह गया था कि 20 जून को लौट आऊंगा। कह रहा था कि पोती को देखने की बड़ी तमन्ना है।÷

लेकिन नियति का निर्णय कुछ और था। हादसे के चंद घंटे बाद अहमदाबाद में ही वरदीचंद की बहू ने एक बेटी को जन्म दिया। दादा के जाने के ठीक बाद पोती इस दुनिया में आई। घर में मातम भी था और जिंदगी की नयी किलकारी भी।

÷रात साढ़े आठ बजे बेटी का जन्म हुआ। एक हफ्ता पहले छोटी बहू ने बेटे को जन्म दिया था।÷ भगवान लाल की आवाज भर्राई हुई थी। एक घर में जिंदगी की दो नई शुरुआत... पर वो शख्स जो इन पलों को जीना चाहता था, अब इस दुनिया में नहीं था।

यह संयोग नहीं, बल्कि जिंदगी और मौत का वो रहस्य है, जिसे न समझा जा सकता है न लिखा। बस महसूस किया जा सकता है। शायद वरदीचंद अपनी पोती के रूप में ही फिर लौट आए हों... कौन जाने?

खरीफ की तैयारी कैसे करें, किसानों की आफत बना एफआईजी पोर्टल : जूली

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बताया कि पिछले लम्बे समय से एफआईजी पोर्टल के काम नहीं करने के कारण प्रदेश के किसान हैरान और परेशान हैं। जूली ने बताया कि किसान आगामी खरीफ की फसल की तैयारी में जुटा है, ऐसे में एफआईजी पोर्टल नहीं चलने के कारण ग्राम सेवा सहकारी समितियों में ऋण वितरण का कार्य नहीं हो पा रहा है, जिससे किसानों के सामने खरीफ की बुवाई को लेकर संकट खड़ा हो गया है। जूली से मिले किसान प्रतिनिधियों ने बताया कि इस भीषण गर्मी में किसान अलसुबह ग्राम सेवा सहकारी समितियों पर पहुंच जाते हैं, लेकिन प्रदेश पोर्टल नहीं चलने पर निराश होकर वापस लौट जाते हैं। उन्होंने बताया कि कुछ किसानों के ऋण वसूली अवधि पार होने की संभावना है, जिससे बजट घोषणा के अनुसार उन्हें ब्याज राहत प्राप्त नहीं हो सकेगी। जूली ने बताया कि किसानों की इस गंभीर समस्या को लेकर उन्होंने सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक को पत्र लिखकर किसानों की समस्या का स्थाई समाधान किए जाने की मांग की है। जूली ने सहकारिता मंत्री को लिखे पत्र में बताया है कि प्रदेश के किसान इस विकट समस्या को लेकर परेशान हैं। ग्राम सेवा सहकारी समितियों के व्यवस्थापकों को किसानों द्वारा समिति स्तर पर विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ रहा है, जिसके लिए प्रधान कार्यालय अधिकारियों द्वारा एफआईजी हैल्पडेस्क से दूरभाष पर वार्ता करने के पश्चात् भी किसानों की समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।

सगे भाई का घर बसाने आई बहनों का उजड़ा सुहाग, नई दुल्हन समेत 2 दामादों की मौत

झुंझुनू। पांच दिन पहले गुड़ा गांव में विक्रम मीणा के शादी समारोह का कार्यक्रम धूमधाम से चल रहा था। विक्रम मीणा के पिता गोकुल मीणा की 8 वर्ष पूर्व मौत हो गई थी। तीन बहनों का इकलौता भाई विक्रम मीणा की जिम्मेदारी अब बहन संतोष देवी, मोटा देवी व काली देवी पर थी। बहनों ने भाई का घर बसाने के लिए भाई को बड़े चाव से दूल्हा बनाया व बारात को विदा किया। बुधवार को घर भाभी आने के चाव में रंगोली सजाई जा रही थी। मंगल गीत गाए जा रहे थे। अचानक बुधवार को सड़क हादसे में बारात की बस कंटेनर से टकरा गई।

बहनों का भी उजड़ा घर

सड़क हादसे में दुल्हन भारती सहित विक्रम के जीजा सुभाष मीणा हांसपुर श्रीमाधोपुर, ताऊ श्रवण कुमार मीणा की मौत हो गई थी। विक्रम की बहन काली देवी के पति सुभाष मीणा की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं बड़ी बहन संतोष देवी के पति शंकर लाल मीणा की गुरुवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं तीसरी बहन मोटा देवी का पति नरेश मीणा का इलाज चल रहा है।

तीनों बहन अपने भाई का घर बसाने के लिए प्रयास कर रही थी। तीनों बहनों के छोटे-छोटे बच्चे हैं। दो के पति खत्म हो गए। एक का इलाज चल रहा है। ऐसी स्थिति में तीनों बहनों की स्थिति खराब है। इधर मां चंद्रावल का रो-रो कर बुरा हाल है। विक्रम की मां चंद्रावल ने जानकारी देते हुए बताया कि बेटे की बहू, दो दामाद व ससुर खत्म हो गए। बेटा अस्पताल में भर्ती है। ऐसी स्थिति में ना तो बेटे का इलाज करवा सकती नहीं दामाद की मौत पर बेटियों को संभाल सकती।

नागौर पुलिस की तूफानी कार्रवाई : 4 घंटे में अपहृत युवक को सकुशल बचाया, एक आरोपी दबोचा

नागौर। नागौर पुलिस ने एक बार फिर अपनी मुस्तैदी और तेज-तर्रार कार्यशैली का परिचय दिया है। अपहरण के एक सनसनीखेज मामले में डीएसटी और थाना मेड़ता सिटी पुलिस ने महज 4 घंटे के भीतर अपहृत युवक को सकुशल बरामद कर लिया और एक नामजद आरोपी को भी गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। यह त्वरित कार्रवाई नागौर पुलिस के बेहतरीन सामंजस्य, फील्ड इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीकी अनुसंधान का बेजोड़ उदाहरण है।

एसपी नारायण टोगस ने बताया कि गुरुवार 12 जून की देर रात मेड़तासिटी थाना क्षेत्र में अनिल सोनी नामक युवक का उसके घर से ही कुछ अज्ञात बदमाश अपहरण कर ले गए थे। बदमाशों ने युवक को छोड़ने के एवज में उसके परिजनों से 7 लाख रुपये की मोटी फिरौती की मांग की थी, जिससे परिवार में हड़कंप मच गया।

अपहरण की कहानी – आज सुबह 13 जून को पीड़ित के परिजन धनराज सोनी ने मेड़तासिटी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि अनिल सोनी (25) रात करीब 10 बजे कृष्णा अस्पताल के पास अपने मकान में सो रहा था, तभी 5-6 लोग पड़ोसी की दीवार फांदकर घर में घुसे और अनिल का अपहरण कर उसे गाड़ी में बिठाकर ले गए। थोड़ी देर बाद ही उनके व्हाट्सएप पर कॉल आया, जिसमें अनिल को छोड़ने के लिए 7 लाख रुपये की मांग की गई। अनिल के साथ सो रहे युवक नैनाराम ने भी इस घटना की सूचना परिजनों को दी थी। धनराज सोनी ने अपनी रिपोर्ट में आकाश फोगारिया निवासी चूंदिया के साथ-साथ महेंद्र मुंडेल, हाथीराम निवासी हंसियास और कपिल जाट जैसे कुछ अन्य लड़कों पर भी शक जाहिर किया और बताया कि इन सबने रमेश दायमा के होटल पर ही अपहरण की पूरी प्लानिंग की थी।

पुलिस की बिजली-सी रफ्तार मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी नारायण टोगस के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार व सीओ मेड़ता रामकरण सिंह मलिंडा के पर्यवेक्षण में तत्काल विशेष टीमों का गठन किया गया। एसएचओ मेड़ता सिटी धर्मेश दायमा और डीएसटी मेड़तासिटी के प्रभारी उप निरीक्षक विजयसिंह रावत के नेतृत्व में इन टीमों ने सूचना मिलते ही मोर्चा संभाल लिया।

मॉर्गन स्टेनली ने कंपनी के 4.2 लाख शेयर बेचे

पिछले महीने आया था आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। मॉर्गन स्टेनली ने 4.2 लाख शेयर बेच दिए। इस दिग्गज ब्रोकरेज हाउस ने स्मॉल कैप कंपनी स्कोडा ट्यूब्स के 7.6 करोड़ रुपये के शेयर बेच दिए हैं। यह शेयरों की बिक्री ब्लॉक डील के जरिए हुई है। यह बिक्री मॉर्गन स्टेनली एशिया सिंगापुर प्रा. ने 181.42 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से हुई है। बता दें, शुक्रवार को कंपनी के शेयर बीएसई में 3.33 प्रतिशत की गिरावट के बाद 180 रुपये के लेवल पर बंद हुआ है। वहीं, एनएसई में यह स्टॉक 3.55 प्रतिशत की गिरावट के बाद 179.50 रुपये के लेवल पर बंद हुआ है। यह कंपनी स्टेनलेस स्टील पाइप्स और ट्यूब्स का उत्पादन करती है। कंपनी की मौजूदगी ग्लोबल मार्केट में है। बीते एक महीने में स्कोडा ट्यूब्स के शेयरों की कीमतों में 17 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। स्कोडा ट्यूब्स का 52 वीक हाई 195 रुपये और 52 वीक लो लेवल 136 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 1078.36 करोड़ रुपये का है। पिछले महीने आया था आईपीओ स्कोडा ट्यूब्स के आईपीओ का साइज 220 करोड़ रुपये का है। कंपनी का आईपीओ के जरिए 1.57 करोड़ शेयर जारी करेगी। यह आईपीओ 28 मई को खुला था। कंपनी का आईपीओ 30 मई तक खुला था। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 140 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

खाने-पीने की चीजें होंगी सस्ती

- यूनियन बैंक ने अच्छे मानसून और टैक्स कटौती को बताई अहम वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। अच्छे मानसून और खाद्य तेल पर आयात शुल्क में कटौती आने वाले महीनों में खाने-पीने की चीजों को सस्ता कर सकती हैं। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है।

सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत किया- इसमें कहा गया कि सरकार ने 30 मई को सूरजमुखी, सोयाबीन और पाम तेल जैसे कच्चे खाद्य तेलों पर आयात शुल्क 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। इस कदम से खुदरा उपभोक्ताओं को सीधे लाभ मिलने की संभावना है।

समय से पहले आया मानसून- रिपोर्ट में बताया गया कि इस बार मानसून की शुरुआत

सकारात्मक रही। केरल में मानसून समय से 5 दिन पहले पहुंच चुका है और देश के दूसरे भागों में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। मई 2025 में भारत में औसत से लगभग 106 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई। भारतीय मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि मानसून जून में भी सक्रिय रहेगा।

बैंक ने दी मौसम संबंधी चेतावनी - इन सकारात्मक संकेतों के बावजूद बैंक ने मौसम को लेकर चेतावनी जताई है। चरम मौसम संबंधी घटनाएं वर्तमान मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति को बाधित कर सकती हैं। उत्तर भारत में गर्मी अभी भी तेज है और अगर बाढ़ या सूखा जैसी समस्याएं आईं, तो खाद्य पदार्थों की कीमत फिर से बढ़ सकती है।

हैदराबाद (एजेंसी), तेलंगाना के नवनियुक्त श्रम एवं रोजगार मंत्री जी. विनोद को बधाई देते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग साथ में वेणुगोपाल लोया, कमल सारडा, अनमोल सारडा, संध्या सारडा, बालाजी असावा, नितिन झँवर एवं अन्य उपस्थित थे।

हैदराबाद (एजेंसी), तेलंगाना के नवनियुक्त श्रम एवं रोजगार मंत्री जी. विनोद को बधाई देते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग साथ में वेणुगोपाल लोया, कमल सारडा, अनमोल सारडा, संध्या सारडा, बालाजी असावा, नितिन झँवर एवं अन्य उपस्थित थे।

कलेक्टर राजर्षि शाह ने की रिम्स में इलाज करा रहे पीड़ितों से मुलाकात

आदिलाबाद (एजन्सी),

जिला कलेक्टर राजर्षि शाह ने हाल ही में बिजली गिरने के बाद रिम्स में इलाज करा रहे पीड़ितों से मुलाकात की और निदेशक जयसिंह राठौड़ से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। जिला कलेक्टर राजर्षि शाह ने हाल ही में बिजली गिरने के बाद रिम्स में इलाज करा रहे पीड़ितों से मुलाकात की और डॉक्टरों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और

कहा कि अच्छा इलाज मुहैया कराने और जल्दी ठीक होने के लिए विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने आपात कालीन वार्ड में शौचालयों का निरीक्षण किया और साफ-सफाई की कमी पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने मरीजों की जांच के दौरान मौजूद डॉक्टरों के बारे में जानकारी ली।

डॉक्टरों के न मिलने पर उन्होंने वहां मौजूद कर्मचारियों से पूछा कि डॉक्टर समय पर आ रहे हैं या नहीं, लेकिन उन्होंने असंगत जवाब दिए और निदेशक को केस फाइल लाने और यह पता लगाने का आदेश दिया कि कौन से डॉक्टर कब आ रहे हैं और अपने कर्तव्यों की उपेक्षा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। अवसर पर जिला चिकित्सा अधिकारी नरेंद्र राठौड़, कर्मचारी और अन्य लोग थे।

एक बार फिर डिविडेंड देगी वेदांता, 18 जून को होगी बोर्ड बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अग्रवाल के स्वामित्व वाली माइनिंग कंपनी वेदांता लिमिटेड अंतरिम डिविडेंड देने वाली है। इसके प्रस्ताव पर विचार करने के लिए बुधवार, 18 जून को बोर्ड बैठक आयोजित करेगी। यह पहला ऐसा प्रस्ताव होगा जिस पर कंपनी वित्तीय वर्ष 2026 के लिए विचार करेगी। अंतरिम डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड तिथि मंगलवार, 24 जून तय की गई है। बता दें कि वेदांता ने वित्तीय वर्ष 2025 में अपने शेयरधारकों को 40 रुपये से ज्यादा का डिविडेंड दिया था। कंपनी ने तिमाही आधार पर क्रमशः 4, 11, 20 और 8.5 प्रति शेयर की चार अलग-अलग किस्तों में 43.5 प्रति शेयर डिविडेंड के रूप में भुगतान किया था।

कंपनी का शेयरहोल्डिंग पैटर्न- शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो मार्च तिमाही के अंत में वेदांता लिमिटेड की प्रवर्तक इकाई वेदांता रिसोर्सेज की कंपनी में 56.38 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड (वीआरएल) के फ्यूचर प्लान की बात करें तो कंपनी निवेश श्रेणी की रेटिंग पाने का लक्ष्य बना रही है। इसके लिए कंपनी कर्ज को कम करने, अपनी भारतीय सब्सिडयरी कंपनी वेदांता लिमिटेड को अलग करने, मजबूत वृद्धि, परिचालन दक्षता और मजबूत वित्तीय प्रदर्शन पर जोर दे रही है। वेदांता रिसोर्सेज अपने महत्वपूर्ण खनिजों, संक्रमण धातुओं, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो को मजबूत करते हुए वित्त वर्ष 2026-27 तक अपने कुल कर्ज को मौजूदा पांच अरब अमेरिकी डॉलर से घटाकर तीन अरब डॉलर करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कारोबार बांट रही कंपनी

आपको बता दें कि वेदांता वर्तमान में विभाजन की प्रक्रिया से गुजर रही है। मौजूदा सूचीबद्ध इकाई को अलग-अलग व्यवसायों की सेवा करने वाली पांच अलग-अलग संस्थाओं में विभाजित किया जाएगा। कंपनी को इस साल सितंबर तक विभाजन प्रक्रिया पूरी करने का भरोसा है।

मूडीज ने यस बैंक की रेटिंग में किया बड़ा बदलाव, 20 रुपये शेयर भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के यस बैंक के शेयर पर आपका दांव है तो ये खबर आपके काम की हो सकती है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडीज ने यस बैंक की रेटिंग में बदलाव किया है। इस खबर के बीच यस बैंक के शेयर शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए।

क्या है रेटिंग एजेंसी का फैसला- मूडीज ने यस बैंक की रेटिंग को बीए3 से बढ़ाकर बीए2 कर दिया है। इसके अलावा बैंक के क्रेडिट प्रोफाइल

है। में सुधार के कारण आउटलुक को बदलकर स्थिर कर दिया है। यस बैंक के बेसलाइन क्रेडिट मूल्यांकन को भी बी1 से बढ़ाकर बीए3 कर दिया गया है। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा- यस बैंक की बीए2 डिपॉजिट रेटिंग इसकी बीए3 बीसीए (बेसलाइन क्रेडिट असेसमेंट) से एक पायदान ऊपर है।

प्रशांत कुमार के कार्यकाल का विस्तार- इस बीच, यस बैंक ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लेंडर यानी यस बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशांत कुमार के कार्यकाल विस्तार को मंजूरी दे दी है। यह विस्तार छह महीने का है, जो 6 अक्टूबर से प्रभावी होगा, या जब तक कोई नया एमडी और सीईओ कार्यभार नहीं संभाल लेता। बता दें कि बैंक ने नए सीईओ की तलाश शुरू कर दी है और वैश्विक भर्ती फर्मों के साथ बातचीत कर रहा है। बैंक के प्रमुख के रूप में प्रशांत कुमार का तीन साल का कार्यकाल अक्टूबर में समाप्त हो रहा है।

यस बैंक की डील

मई के महीने में यस बैंक की हिस्सेदारी को लेकर एक बड़ी डील हुई थी। जापान की सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) ने भारतीय स्टेट बैंक से 13.19 प्रतिशत और अन्य बैंकों से 6.81 प्रतिशत की द्वितीयक हिस्सेदारी खरीद के माध्यम से यस बैंक में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक निश्चित समझौता किया था।

राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर, द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा

हैदराबाद (एजन्सी),

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि पर राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर, द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा सुबह 7.01 बजे पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली पर की गई। यह सेवा गुप्त सहयोग (निजी योगदान) द्वारा की गई। अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल जगत नारायण अग्रवाल महेश गुप्ता सुशील गुप्ता अशोक गुप्ता एस.जे संजय अग्रवाल सविता अग्रवाल संजय गोयल किरण गोयल भगतराम गोयल ई जगन (चंपा पालतू) कैलाश चंद केडिया निर्मला केडिया और अन्य राधे-राधे समूह के सदस्य उपस्थीत थे।

जून के पहले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा, 697 अरब डॉलर पर पहुंचा आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5.17 अरब डॉलर बढ़कर 696.65 अरब डॉलर हो गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने जानकारी दी कि यह आंकड़ा 6 जून को समाप्त सप्ताह के दौरान

दर्ज किया गया। इसके पिछले हफ्ते यानि 30 मई को समाप्त सप्ताह में इसमें गिरावट देखने को मिली थी। यह 1.237 अरब डॉलर घटकर 691.485 अरब डॉलर रह गया था। इससे पहले सितंबर 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। इसने अपने सर्वकालिक उच्च स्तर को छूया था।

विदेशी मुद्रा आस्तियों में हुई बढ़ोतरी - शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 3.47 अरब डॉलर बढ़कर 587.68 अरब डॉलर हो गईं। विदेशी मुद्रा आस्तियों में डॉलर के मुकाबले यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य मुद्राओं के उतार-चढ़ाव का भी असर शामिल होता है।

स्वर्ण भंडार 1.58 अरब डॉलर बढ़ा - रिजर्व बैंक ने कहा कि इस सप्ताह के दौरान सोने के भंडार में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। सोना 1.58 अरब डॉलर बढ़कर 85.88 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई ने कहा कि स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) में भी 102 मिलियन डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई। यह 18.67 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की स्थिति 14 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.4 अरब डॉलर हो गई है।

टाटा समूह के इतिहास का सबसे काला दिन...

विमान हादसे के बाद बोले टाटा समूह के मुखिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भले ही यह कठिन समय हो, लेकिन समूह अपनी जिम्मेदारियां निभाएगा और सही काम करने से पीछे नहीं हटेगा। अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के एक दिन बाद टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को यह बात कही। उन्होंने विमान हादसे के दिन को एअर इंडिया के इतिहास का सबसे काला दिन भी बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एयर इंडिया का स्वामित्व रखने वाला समूह विमान हादसे से जुड़ी सूचना देने के लिए अपनी प्रणाली में पूरी पारदर्शिता रखेगा।

यात्रियों की सुरक्षा पहली और सर्वोच्च प्राथमिकता- चंद्रशेखरन- कर्मचारियों को भेजे गए एक आंतरिक संदेश में टाटा समूह के मुखिया ने कहा कि जब टाटा संस ने एअर इंडिया का अधिग्रहण किया था, तो यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी पहली और सर्वोच्च प्राथमिकता थी और इससे कोई समझौता नहीं किया गया।

टाटा समूह के प्रमुख की ओर कर्मचारियों को भेजा गया यह संदेश एयर

इंडिया के लंदन जाने वाले बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान के अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त होने के एक दिन बाद सामने आया है। इस विमान में सवार 242 लोगों में से 241 लोगों की मौत हो गई थी। यह देश की सबसे भीषण हवाई दुर्घटनाओं में से एक थी।

चंद्रशेखरन ने कहा, यह बहुत कठिन क्षण है। कल जो कुछ हुआ, वह समझ से परे है, और हम सदमे और शोक में हैं। एक ऐसे व्यक्ति को खोना जिसे हम जानते हैं, एक त्रासदी है, लेकिन एक साथ इतनी सारी मौतें होना समझ से परे है। चंद्रशेखरन ने कहा, यह टाटा समूह के इतिहास का सबसे काला दिन है। इस समय सांत्वना देने के लिए शब्द पर्याप्त नहीं हैं, लेकिन मेरी संवेदनाएं दुर्घटना में मारे गए और घायल हुए लोगों के परिवारों और प्रियजनों के साथ हैं। हम उनके साथ हैं। उन्होंने कहा, मैं यह कहना चाहता हूं कि आपकी तरह हम भी यह समझना चाहते हैं कि क्या हुआ। अभी हमें नहीं पता, लेकिन हम समझ जाएंगे।

नियमित उड़ान आपदा में कैसे बदली, प्रशिक्षित जांचकर्ता करेंगे पता

उन्होंने कहा कि इस समय समूह की कोशिश ऐसी व्याख्याओं की तलाश है जो इस आपदा के लिए सार्थक हों। चारों ओर इस बारे में बहुत सारी अटकलें हैं। इसमें से कुछ सही हो सकती हैं, कुछ गलत भी हो सकती हैं। इसलिए मैं धैर्य रखने का आग्रह करना चाहता हूं। चंद्रशेखरन ने कहा, यह नियमित उड़ान आपदा में क्यों बदल गई, यह जानने में प्रशिक्षित जांचकर्ता हमारी मदद करेंगे, जब उनका काम पूरा हो जाएगा। एक बार जब हम तथ्यों की पुष्टि कर लेंगे, तो हम इस त्रासदी के बारे में अपनी जानकारी में पारदर्शिता लाएंगे।

साउथ अफ्रीका पहली बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन

डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया, 27 साल बाद आईसीसी टूर्नामेंट जीता

लंदन (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जीत ली है। टीम ने शनिवार को डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया। साउथ अफ्रीका की टीम क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी है। इतना ही नहीं, टीम ने 27 साल के बाद कोई आईसीसी टूर्नामेंट जीत लिया है। टीम ने 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी।

लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में मैच के चौथे दिन लंच से पहले साउथ अफ्रीका ने 282 रन का टारगेट 5 विकेट पर हासिल कर लिया। ऐडन मार्करम ने 136 रन बनाए, जबकि टेम्बा बावुमा ने 66 रनों की पारी खेली।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 218 रन बनाते हुए अफ्रीका को 282 रन का टारगेट दिया था। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 212 और साउथ अफ्रीका ने 138 रन बनाए। यहां कंगारू टीम को 74 रन की बढ़त मिली थी।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में बनाए 207 रन, दक्षिण अफ्रीका के सामने दिया था 282 का लक्ष्य

मिचेल स्टार्क (नाबाद 58) की अर्धशतकीय पारी और आखिरी विकेट के लिए जोश हेजलवुड (17) के साथ 59 रन की साझेदारी के ब ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के तीसरे दिन शुक्रवार को अपनी दूसरी पारी में 207 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 282 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया था।

ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत आठ विकेट पर 144 रन से की और कागिसो रबाडा ने दिन के तीसरे ओवर में ही नाथन लियोन (दो) को पगबाधा कर उसे नौवां झटका दिया। लियोन ने मैदानी अंपायर के फैसले के खिलाफ डीआरएस का इस्तेमाल किया लेकिन उन्हें इसका कोई फायदा नहीं हुआ। स्टार्क और हेजलवुड ने इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसाते हुए 135 गेंदों में 59 रन की साझेदारी की। एडेन मारक्रम ने ऑस्ट्रेलिया की पारी के 65वें ओवर में केशव महाराज के हाथों हेजलवुड को कैच कराकर ऑस्ट्रेलिया की पारी को खत्म किया जिसके बाद अंपायरों ने लंच की घोषणा कर दी।

स्टार्क ने तीन घंटे से अधिक की पारी में 136 गेंद का सामना कर पांच चौके लगाए। वह बृहस्पतिवार को जब क्रीज पर उतरे थे उस समय ऑस्ट्रेलिया की टीम 73 रन पर सात विकेट गंवा कर मुश्किल स्थिति में थी। उन्होंने एलेक्स कैरी के साथ आठवें विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी करने के बाद आखिर विकेट के लिए 59 रन जोड़ कर मैच में ऑस्ट्रेलिया की स्थिति बेहद मजबूत कर दी। स्टार्क और हेजलवुड टेस्ट क्रिकेट में दसवें विकेट के लिए तीन बार पचास से अधिक की साझेदारी करने वाली दूसरी जोड़ी है, उनसे पहले यह उपलब्धि बीजे वाटलिंग और ट्रेंट बोल्ट ने हासिल की थी।

दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के निचले क्रम के बल्लेबाजों को दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने परेशान किया। स्टार्क और हेजलवुड को किस्मत का भी साथ मिला जब गेंद बल्ले के करीब से निकली या बल्ले का किनारा लेते हुए क्षेत्ररक्षकों से दूर रही। हेजलवुड ने भी स्टार्क का साथ अच्छे से दिया और अपनी बल्लेबाजी तकनीक से प्रभावित करते हुए 53 गेंद की पारी में दो चौके लगाये। मार्को यानसेन की गेंद स्टार्क के बल्ले का किनारा लेते हुए स्लिप के ऊपर से चार रनों के लिए चली गई जिससे उन्होंने टेस्ट में अपना 11वां अर्धशतक पूरा किया और टीम के स्कोर को 200 रन तक पहुंचाया। आखिरी विकेट चटकाने के लिए दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने तेज गेंदबाजों को आजमाने के बाद केशव महाराज को गेंदबाजी दी। महाराज भी टीम को सफलता दिलाने में नाकाम रहे जिसके बाद मार्क्रम को गेंद थमाई गयी। इस कामचलाऊ स्पिनर का पहला ओवर मेडन रहा लेकिन उनके दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में हेजलवुड महाराज को कैच दे बैठे। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 212 रन के जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 138 रन पर आउट हो गयी थी।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

साउथ अफ्रीका- टेम्बा बावुमा (कप्तान), रायन रिकेल्टन, ऐडन मार्करम, वियान मुल्डर, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड बेडिंघम, काइल वेरियन (विकेटकीपर), मार्को यानसन, केशव महाराज, कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी।

ऑस्ट्रेलिया- पैट कमिंस (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन, जोश हेजलवुड।

पहली बार बिग बैश में खेलेंगे बाबर आजम, प्लेयर ड्राफ्ट से पहले इस टीम से जुड़े

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम को अगले सप्ताह के प्लेयर ड्राफ्ट से पहले सिडनी सिक्सर्स ने अनुबंधित किया है जिसके बाद वह पहली बार बिग बैश में खेलेंगे। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान, टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 30 वर्षीय बाबर ने 320 टी20 मैच खेले हैं, और हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में पेशावर ज़ालमी के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ़ पाकिस्तान की हालिया टी20 सीरीज़ के लिए नहीं चुना गया था। बाबर ने कहा, 'दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टी20 लीगों में से एक में खेलना और इतनी सफल और सम्मानित फ्रैंचाइज़ी का हिस्सा बनना एक रोमांचक अवसर है। सिक्सर्स 2024-25 सीज़न में दूसरे स्थान पर रहे, लेकिन प्ले-ऑफ में लगातार हार का सामना करना पड़ा, प्रतिद्वंद्वी सिडनी थंडर से बाहर होने से पहले होबार्ट हरिकेंस से हार गए। प्रत्येक फ्रैंचाइजी को गुरुवार के ड्राफ़्ट से पहले एक विदेशी खिलाड़ी को अनुबंधित करने की अनुमति है। सिक्सर्स एकमात्र पुरुष टीम थी जिसने अपने विदेशी खिलाड़ी को अनुबंधित नहीं किया, इंग्लैंड के जेमी ओवरटन, क्रिस जॉर्डन, टॉम कुरेन और सैम बिलिंग्स सभी ने अन्य टीमों के साथ अनुबंध किया। इंग्लैंड की जोड़ी जैकब बेथेल और ओली पोप, जो पिछले सीजन में पहली बार प्रतियोगिता में खेले थे। वे दोनों अपनी पिछली फ्रेंचाइजी, मेलबर्न रेनेगेड्स या एडिलेड स्ट्राइकर्स द्वारा बनाए रखे जा सकते हैं, प्रत्येक टीम को ड्राफ्ट में एक और खिलाड़ी को बनाए रखने की अनुमति है। एमी जोन्स, एलिस कैप्सी, डेनी गिब्सन, हीथर नाइट, सोफी एक्लेस्टोन और डेनी वायट-हॉज सभी को महिलाओं की प्रतियोगिता में बनाए रखा जा सकता है, जहां किसी भी अंग्रेजी खिलाड़ी को पहले से साइन नहीं किया गया है। इंग्लैंड के सैम करन और लॉरेन बेल और पाकिस्तान की तिकड़ी शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद रिजवान और शादाब खान ड्राफ्ट में उपलब्ध होने वाले नए नामों में शामिल हैं।

एमसीसी ने 'बन्नी हॉप' बाउंड्री कैच को अवैध माना, नया नियम इसी महीने लागू होगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट के नियमों के संरक्षक मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने 'बन्नी हॉप' यानि सीमा रेखा के बाहर कई बार हवा में उछलकर कैच करने को गैरकानूनी माना है तथा इस संदर्भ में नए नियम इसी महीने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के खेल की परिस्थितियों से जुड़ी शर्तों और अगले साल अक्टूबर से एमसीसी के नियमों में शामिल कर लिया जाएगा। इस नए नियम के लागू होने के बाद बीबीएल 2023 के दौरान माइकल नेसर और 2020 में मैट रेनशॉ की मदद से टॉम बैंटन द्वारा लिए गए शानदार कैच वैध नहीं माने जाएंगे।आईसीसी ने इस संदर्भ में अपने सदस्य बोर्ड को एक नोट भेजा है जिसने कहा गया है कि वर्तमान नियमों के अनुसार कुछ शानदार कैच देखने को मिले लेकिन इस नियम के कारण कुछ असामान्य देखने वाले कैच भी वैध मान दिए गए जो अधिकतर क्रिकेट प्रेमियों को भी अनुचित लगे। एमसीसी ने नेसर द्वारा लिए गए कैच का जिक्र करते हुए कहा कि फील्डर ने बाउंड्री के अंदर कैच पूरा करने से पहले 'बन्नी हॉप' किया। नियमों के अनुसार हालांकि यह तब सही था लेकिन ऐसा लग रहा था कि फील्डर सचमुच में सीमा रेखा से कई बार बाहर निकल गया था। इन दोनों घटनाओं ने नई बहस को जन्म दिया जिसके बाद आईसीसी और एमसीसी को अपने नियम 19.5.2 की समीक्षा करनी पड़ी। एमसीसी ने अब स्पष्ट किया है कि सीमा रेखा के पार से छलांग लगाने के बाद गेंद के साथ दूसरी बार संपर्क बनाने के लिए किसी भी क्षेत्ररक्षक को सीमा रेखा के अंदर मैदान पर आना होगा अन्यथा उसे बाउंड्री मान लिया जाएगा। नोट में कहा गया है, ''एमसीसी ने इसे एक नया शब्द 'बन्नी हॉप' दिया है जिसे अब गैरकानूनी माना जाएगा लेकिन इस तरह के कैच, जिनमें क्षेत्ररक्षक गेंद को सीमा रेखा के अंदर फेंकने के बाद बाहर कदम रखता है और फिर सीमा रेखा के अंदर जाकर उसे कैच करता है तो इस तरह के कैच को वैध माना जाएगा।

यह जानना महत्वपूर्ण है कि कब तैयार रहना है: कृष्णा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि उन्होंने टीम की जरूरतों के अनुसार खेलना सीख लिया है और अब वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अपनी शानदार फॉर्म को इंग्लैंड दौरे पर भी जारी रखना चाहते हैं। चोट से उबरकर वापसी करने वाले प्रसिद्ध ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया और सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की। वह अब इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला को लेकर उत्साहित हैं। भारतीय टीम अभी यहां आपस में ही अभ्यास मैच खेल रही है।

प्रसिद्ध ने बीसीसीआई टीवी से कहा, ''आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि जब आपका मौका आए तो आप उसके लिए तैयार रहें लेकिन आप वास्तव में लंबे समय तक ध्यान केंद्रित नहीं रख सकते हैं, खासकर जब आप बाहर बैठे हों, इसलिए आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप थोड़ा मौज-मस्ती भी करें। कहा,''जब आप जानते हैं कि आप स्थिति को भांप सकते हैं, तो आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आप विशेष परिस्थितियों में अपनी टीम की मदद करें। यह सुनिश्चित करें कि आप पूरी तरह से तैयार रहें, क्योंकि खेल में कुछ भी हो सकता है, यही अपने आप में क्रिकेट की खूबसूरती है। प्रसिद्ध ने कहा, ''मुझे लगता है कि हम सभी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि कब स्विच ऑन और कब स्विच ऑफ करना है। गुजरात टाइटंस की तरफ आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करके भारतीय टीम में जगह बनाने वाले प्रसिद्ध ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले यहां कुछ अभ्यास मैच खेलने से टीम को काफी फायदा होगा।

उन्होंने कहा, '''हम सभी के लिए मैदान पर कुछ समय बिताना बेहद महत्वपूर्ण है। आज भी हमने यही किया। यह एक अच्छी, बढ़िया और सख्त पिच लग रही है। गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की जबकि बल्लेबाजों ने भी जज्बा दिखाया। जब आप अपने आपस में ही मैच खेलते हैं तो बहुत अच्छा लगता है। बीसीसीआई के अपडेट के अनुसार अभ्यास मैच के पहले दिन कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने अर्धशतक बनाए, जबकि शार्दुल ठाकुर विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल थे।

इंट्रा-स्क्वाड में चमके गिल, राहुल और शार्दुल

से हेडिंग्ले टेस्ट से पहले फुल जोश में टीम इंडिया

नई दिल्ली। बेकेनहम में खेले जा रहे इंट्रा-स्क्वाड मैच के पहले दिन टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और स्टार बल्लेबाज केएल राहुल ने शानदार अर्धशतक जड़े। ये मुकाबला आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले अपनी तैयारियों को पुख्ता करने के लिए टीम इंडिया खेल रही है।

मैच बंद दरवाजे के पीछे खेला जा रहा है, जिसको लेकर बीसीसीआई ने अपने आधिकारिक (पहले ट्विटर) अकाउंट पर मैच की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें नए कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल को बड़े शॉट लगाते हुए देखा जा रहा है।

दरअसल, इंट्रा-स्क्वाड मैच बंद दरवाजों के पीछे खेला जा रहा है और यही वजह है कि इसकी कोई लाइव स्ट्रीमिंग या टेलीकास्ट उपलब्ध नहीं है। इस महीने के अंत में होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए इंडिया-ए ने पिछले हफ्ते इंग्लैंड लायंस के साथ दो अनौपचारिक टेस्ट मैचों की सीरीज खेली थी और दूसरे अनौपचारिक मैच के दौरान केएल राहुल ने एक शानदार शतक भी जड़ा था।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान केएल राहुल पारी की शुरुआत करते हुए नजर आएंगे। उन्होंने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के दौरान भी ओपनिंग की थी और अपने बल्लेबाजी प्रदर्शन से सभी को इंप्रेस किया था। उन्होंने इंट्रा स्क्वॉड मैच में भी शानदार फिफ्टी ठोकी। उनके साथ ही कप्तान गिल ने भी अर्धशतक जड़ा। वहीं गेंदबाजी में शार्दुल ठाकुर ने महफिल लूटी। ठाकुर ने अपने इस प्रदर्शन के जरिए प्लेइंग इलेवन में शामिल होने की दावेदारी पेश की है।

बीसीसीआई ने तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, बेकेनहम...इंट्रा-स्क्वाड गेम में एक ठोस शुरुआती दिन! केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के लिए अर्धशतक, शार्दुल ठाकुर ने विकेट लिए।

बीसीसीआई द्वारा शेयर की गई फोटो में नॉन स्ट्राइकर एंड पर यशस्वी को देखा जा रहा है, लेकिन बीसीसीआई ने उनके परफॉर्मेंस का पोस्ट में कोई जिक्र नहीं किया, जिससे ये समझा जा रहा है कि वह इस मैच में कुछ खास नहीं कर पाए। बता दें कि उनका यह पहला इंग्लैंड दौरा है। यहां की परिस्थितियों में ढलने के लिए यह युवा बल्लेबाज पहले ही इंग्लैंड आ गए थे। उन्होंने इंडिया ए के लिए दो मैच खेले, लेकिन वह उसमें कुछ खास नहीं कर सके।

स्टीव स्मिथ इंजरी की वजह से वेस्टइंडीज दौरा भी कर सकते मिस

नई दिल्ली। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ा झटका उस वक्त लगा, जब स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ उंगली की गंभीर चोट के कारण मैच के बाकी हिस्से से बाहर हो गए।

लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले जा रहे डब्ल्यूटीसी फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी के दौरान, अनुभवी क्रिकेटर को पहली स्लिप में फील्डिंग करते समय उनकी दाहिनी छोटी उंगली में डिसलोकेशन हो गई। स्टीव स्मिथ से ना तो टेम्बा का कैच बच सका और न ही उनकी उंगली बच पाई। बावुमा का कैच जब ड्रॉप हुआ, तब वह महज 2 रन बनाकर खेल रहे थे।इस मैच के बीच चोट लगने के बाद स्टीव को तुरंत ही मैदान छोड़ना पड़ा और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रवक्ता ने द ऐज को बताया कि स्टीव की चोटिल उंगली की जांच के लिए उन्हें एक्स-रे के लिए ले जाया गया।दरअसल, साउथ अफ्रीका की टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 282 रन का टारगेट दिया और इसका पीछा करते हुए तीसरे दिन स्टंप्स तक अफ्रीका ने 213 रन बना लिए थे।

गिल की कप्तानी पर अश्विन ने कहा-

उम्मीद है कि उन्हें अच्छी शुरुआत मिलेगी ताकि कोई सवाल न उठे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले शुभमन गिल को भारत के नए टेस्ट कप्तान के रूप में नियुक्ति पर अपने विचार साझा किए। वरिष्ठ खिलाड़ियों रोहित शर्मा के संन्यास के बाद यह सीरीज भारतीय टेस्ट क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत है और विराट कोहली टेस्ट से और अश्विन खुद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से। अश्विन ने कहा, मुझे लगता है कि गिल पहले से ही उस ध्यान और जिम्मेदारी से बहुत अभिभूत हैं जो उन्हें मिल रही है। अगर मैं उनकी जगह होता और इतने दबाव वाले काम पर होता, तो मैं बल्लेबाज के तौर पर बहुत अच्छी शुरुआत करना चाहता। उन्होंने बताया कि इंग्लैंड में बल्लेबाजी करना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है और गिल को कप्तान और बल्लेबाज दोनों के तौर पर खुद को साबित करना होगा।

उन्होंने कहा, बल्लेबाज के तौर पर, उनके स्थान को लेकर कई सवाल उठेंगे, क्योंकि इंग्लैंड में बल्लेबाजी करना बहुत मुश्किल हो सकता है। लेकिन अगर वह रन बनाते हैं, तो रन बनाने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और यह कप्तानी पर भी असर डालेगा।÷ गिल को÷बहुत खास खिलाड़ बताते हुए अश्विन ने कहा, मुझे उम्मीद है कि वह किसी भी सवाल से बचने के लिए बहुत अच्छी शुरुआत करेंगे।

भारतीय फुटबॉल में विवाद जारी, एआईएफएफ प्रमुख चौबे ने भूटिया पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने शुक्रवार को बाईचुंग भूटिया पर अपने 'निहित स्वार्थ' के लिए व्यावसायिक अकादमियां चलाने का आरोप लगाया। राष्ट्रीय टीम के पूर्व कप्तान ने हालांकि इन आरोपों को निराधार बताया।

चौबे का यह आरोप हाल ही में एएफसी एशियाई कप क्वालिफाइंग दौर के मैच में हांगकांग से भारत की चौंकाने वाली हार के बाद भूटिया द्वारा एआईएफएफ प्रमुख के पद से इस्तीफा मांगने के जवाब में था। भूटिया ने कहा था कि चौबे ने भारतीय फुटबॉल को नष्ट कर दिया है। चौबे से जब भूटिया की टिप्पणियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, वह अपने नाम से एक व्यावसायिक फुटबॉल स्कूल चलाते हैं। वह 20 विभिन्न शहरों में हैं। इस फुटबॉल स्कूल में खिलाड़ी 1000 से एक लाख रुपये तक का भुगतान करते हैं। उनसे एक हजार से 10000 रुपये तक महीना लिया जाता है।

चौबे बाइचुंग भूटिया फुटबॉल स्कूल देश भर में कई अकादमियां हैं। एआईएफएफ (बीबीएफएस) का जिक्र कर रहे थे, जिसकी अध्यक्ष ने कहा, यह पूरी तरह से निहित स्वार्थ है, पूरी तरह से व्यावसायिक है। (अकादमी) परिवारों की भावनाओं, लोगों की भावनाओं के साथ खेलकर अनुचित लाभ उठा रहे हैं। लोग सोचते है कि उस व्यक्ति ने भारतीय फुटबॉल के उच्चतम स्तर पर पहुंच बनाई है और अगर मैं (अकादमी में बच्चा) उनकी अकादमी का हिस्सा बन सकता हूं, तो मैं भी एक फुटबॉल खिलाड़ी के रूप में अपना जीवन बना सकता हूं।

भूटिया ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि चौबे को इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि अकादमी कैसे चलाई जाती है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने फुटबॉल स्कूल अपनी मेहनत की कमाई से खोले हैं। भूटिया ने सिक्किम से 'पीटीआई' से कहा, %वह (चौबे) ऐसे व्यक्ति हैं जिनके पास जानकारी का आभाव है। वह बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। उन्हें फुटबॉल अकादमी के बारे में कुछ भी नहीं पता। मैंने वो14 साल पहले अपनी मेहनत की कमाई से फुटबॉल स्कूल खोले हैं। राज्यों, केंद्र और कॉरपोरेट्स से कोई वित्तीय सहायता नहीं मिली।

उन्होंने कहा, पिछले दो सालों में बच्चों की मदद के लिए केवल कुछ ही प्रायोजक आए हैं। देश भर में मेरे स्कूलों में हर दिन 6000 से अधिक बच्चे खेलते हैं। एआईएफएफ भी ऐसा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, वह फीस की बात कर रहे हैं लेकिन मेरे स्कूलों में 150 दिव्यांग कोच और उनके द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे मैदानों का खर्च कौन उठाएगा, कोई भी मुझे वित्तीय रूप से मदद नहीं कर रहा है। अकादमी चलाने के लिए मुझे फीस तो लेनी ही होगी। लेकिन मुझे नहीं पता कि वह कहां से 10,000 रुपये प्रति बच्चा प्रति माह की फीस की बात कर रहे हैं।हम इतना शुल्क नहीं लेते हैं।

यादगीरि में मुख्यमंत्री ने 440.63 करोड़ रुपये के "स्वास्थ्य नवाचार" कार्यों का शुभारंभ किया

यादगीरि (एजन्सी),

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि सरकार कर्नाटक के समग्र विकास के साथ-साथ पिछड़े कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. डि.एम. नंजुंडप्पा की रिपोर्ट प्रस्तुत किए दो दशक बीत चुके हैं। इस पिछड़े क्षेत्र में अब तक हासिल किए गए विकास के आधार पर एक नया सूचकांक स्थापित करने के लिए, आने वाले दिनों में इस क्षेत्र के लिए विशेष अनुदान जारी रहेगा।

इसके लिए अर्थशास्त्रज्ञ गोविंदराव की अध्यक्षता में समिति गठन किया गया है। उन्होंने शनिवार को यादगीरि में जिला प्रशासन, जिला पंचायत, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग और कल्याण कर्नाटक क्षेत्र विकास बोर्ड द्वारा आयोजित "स्वास्थ्य नवाचार" कार्यक्रम के तहत क्षेत्र के 7 जिलों में 440.63 करोड़ रुपये की लागत से स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यों की आधारशिला रखने के बाद बोल रहे थे।कल्याण राज्य सरकार कर्नाटक क्षेत्र में उच्च मातृ और शिशु मृत्यु दर, बाल एनीमिया को खत्म करने और क्षेत्र में स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कलबुरगी कैबिनेट बैठक में 857 करोड़ रुपये की स्वास्थ्य नवाचार परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी, जिसका यहां शुभारंभ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को इस क्षेत्र में हमारे गरीब लोगों को सिटी स्कैन, एमआरआई आदि जैसी सेवाएं प्रदान करने का कष्ट उठाना चाहिए।वर्ष 2025-26 के लिए 5,000 करोड़ रुपये का मौजूदा अनुदान। उन्होंने कहा कि केकेआरडीबी बोर्ड के अध्यक्ष को स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और लोगों के कल्याण पर समान राशि खर्च करने का निर्देश दिया गया है।पिछले 3 वर्षों में हमारी सरकार ने बोर्ड को 13,000 करोड़ रुपये दिए हैं। 2023 के चुनावों में किए गए 593 वादों में से, हमारी सरकार ने 242 वादों को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के 6 महीने के भीतर, पंच गारंटी योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया गया है और इस पर अब तक 90 हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार पंच गारंटी के अलावा शिक्षा, सिंचाई, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा, सड़क, रोजगार सृजन जैसे काम कर रही है। इस प्रदेश के लाभ के लिए, हमारी सरकार 371जे अधिनियम 2013 में विधिवत कार्यान्वित की है।

स्थानीय विधायक चेन्नारेड्डी पाटिल तुन्नूर के अनुरोध पर, अगले तीन वर्षों में चरणबद्ध तरीके से यादगीरि शहर में एक जल निकासी प्रणाली लागू की जाएगी और शहर के निवासियों को अच्छा नागरिक बुनियादी ढांचा प्रदान किया जाएगा, ऐसा सीएम सिद्धारामैया ने मंच पर घोषणा की। अवसर पर, दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी कोल्लूर मल्लप्पा के स्मारक के निर्माण के लिए सरकार द्वारा 2 एकड़ भूमि मुफ्त आवंटित करने का आदेश मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सहित सभी गणमान्य कोल्लूर मेमोरियल ट्रस्ट के पदाधिकारियों को सौंपा गया। सीएम ने जिला प्रभारी मंत्री शरणबसप्पा दर्शनापुर को अगले एक साल के भीतर स्मारक का निर्माण करने का निर्देश दिया। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के कलबुर्गी, यादगीर, बीदर, रायचूर और कोप्पल जिलों में कुल 411.88 करोड़ रुपये की लागत के 41 स्वास्थ्य कार्यों का शुभारंभ किया गया है। इसमें से यादगीरि जिले को 9 काम के लिए 55.80 करोड रुपए आवंटित किया है।

कुल राशि में से केकेआरडीबी बोर्ड ने 208.94 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास जारी है।यादगिरी विधायक चेन्नारेड्डी पाटिल थुन्नूर की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्यसभा में विपक्ष के नेता डॉ. मल्लिकार्जुन खड़गे, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, मंत्रीगण दिनेश गुंडुराव, शरणबसप्पा दर्शनापुर, डॉ. एच.सी. महादेवप्पा, डी.सुधाकर, ईश्वर बी. खंड्रे, डॉ. शरणप्रकाश आर. पाटिल, रहीम खान, एन.एस.भोसराजू, कर्नाटक राज्य नीति और योजना आयोग के उपाध्यक्ष बी.आर.पाटिल, सांसद जी. कुमार नायक, राधाकृष्ण दोड्डमनि, राज्यसभा सदस्य डॉ. सैयद नासिर हुसैन, विधानसभा और विधान परिषद के विधायक, विभिन्न निगम बोर्डों के अध्यक्ष और उच्च स्तरीय अधिकारी शामिल थे।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने बेंगलूरु-मैसूरु जैसे विकास कार्योंपर जोर देने का सुझाव दिया

यादगिरी (एजन्सी),

यह खुशी और गर्व की बात है कि राज्य सरकार ने बेंगलूरु को सिंगापुर बनाने की दिशा में एक कदम बढ़ाया है। अगर कल्याण कर्नाटक क्षेत्र को भी बेंगलूरु-मैसूरु मॉडल पर विकसित किया जाता है, तो यहां के लोग राज्य सरकार के प्रति हमेशा आभारी रहेंगे, ऐसा राज्यसभा के विपक्ष के नेता डॉ. मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, जिन्होंने समारोह में मौजूद राज्य के सीएम और डीसीएम को सलाह दी। उन्होंने शनिवार को यादगिरी में जिला प्रशासन, जिला पंचायत, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग और कल्याण कर्नाटक क्षेत्र विकास बोर्ड द्वारा आयोजित "स्वास्थ्य खोज" कार्यक्रम में बोल रहे थे।

कल्याण कर्नाटक क्षेत्र विकास बोर्ड को चालू वर्ष 2025-26 के लिए दिए गए 5,000 करोड़ रुपये के अनुदान को इसी वर्ष खर्च करना चाहिए और क्षेत्र के लोगों के कल्याण के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां शुरू किए गए सभी काम इसी साल पूरे होने चाहिए और अगले साल नई परियोजनाएं शुरू की जानी चाहिए। 371 जे एक्ट के तहत इस क्षेत्र में रोजगार भर्ती के लिए वित्त विभाग से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं है। इसलिए उन्होंने कहा कि सरकार को स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। उपमुख्यमंत्री और जल संसाधन मंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि क्षेत्र में स्वास्थ्य सुधार के लिए 411.88 करोड़ रुपये के कार्यों का शुभारंभ कर इस क्षेत्र में स्वास्थ्य क्रांति और विकास रथ को बढ़ावा दिया गया है। राज्य में पांच गारंटी योजनाओं के क्रियान्वयन से लोगों का जीवन मजबूत हो रहा है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए 371 जे को लागू करने वाले डॉ. मल्लिकार्जुन खड़गे के काम को सदियों तक भुलाया नहीं जा सकेगा। यादगिरी विधायक चेन्नारेड्डी पाटिल थुन्नूर की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, राज्य के मंत्रीगण सांसद, विधानसभा और विधान परिषद के विधायक, विभिन्न निगम बोर्डों के अध्यक्ष और उच्च स्तरीय अधिकारी शामिल थे।

हैदराबाद (एजेंसी),निजामाबाद निवासी श्रीमती सुशीला देवी सोमानी धर्मपत्नी ब्रिजगोपाल सोमानी को श्रद्धांजली देते श्रीनिवास सोमानी, विजय कुमार राठी, रामप्रसाद राठी, सुरेश कुमार राठी, मनमोहन गिल्डा अन्य।

सिंगरेनी कोलरीज कंपनी लिमिटेड ने वृहद स्तर पर वृक्षारोपण और जल संरक्षण कार्यों की बनाई रूपरेखा

हैदराबाद (एजन्सी),

राज्य सरकार द्वारा आयोजित "वन महोत्सव" कार्यक्रम के अंतर्गत सिंगरेनी कोलरीज् कंपनी लिमिटेड ने "प्रत्येक कदम हरियाली की ओर" संकल्प के साथ 45 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

इस अभियान में कंपनी के सभी अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय नागरिकों को सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की गई है। यह जानकारी सिंगरेनी सीएमडी श्री एन. बलराम ने आज आयोजित समग्र समीक्षा बैठक में दी। सिंगरेनी भवन, हैदराबाद में आयोजित इस बैठक में कंपनी के निदेशकों और सभी क्षेत्रों के महाप्रबंधकों ने भाग लिया। सीएमडी ने निर्देश दिए कि 675 हेक्टेयर भूमि पर पौधारोपण का कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न करने के लिए सभी स्तरों पर विशेष प्रयास किए जाएं। जल संरक्षण कार्यक्रम "नीति बिंदु से जलसिंधु" के अंतर्गत अब तक 62 में से 60 मिनी तालाबों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। शेष तालाबों का निर्माण भी अगले एक सप्ताह में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही, आस-पास के गाँवों में स्थित 43 तालाबों से गाद निकालने की योजना के तहत अब तक केवल 4 तालाबों की सफाई ही पूर्ण हुई है। शेष कार्यों में तेजी लाने पर विशेष बल दिया गया। उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण कोयला उपलब्ध कराने के लिए अब से सिंगरेनी द्वारा G-14 और G-15 ग्रेड कोयले की आपूर्ति बंद करते हुए केवल G-13 ग्रेड कोयले की आपूर्ति की जाएगी। इसके अलावा, लघु उद्योगों को आसानी से कोयला उपलब्ध कराने हेतु हैदराबाद के समीप एक कोयला बिक्री केंद्र स्थापित करने की संभावनाओं पर विचार करने का निर्देश दिया गया है। भूपालपल्ली क्षेत्र की भूमिगत खदानों में सैंड स्टोइंग के लिए गोदावरी नदी से रेत की आपूर्ति हेतु शीघ्र ही क्वारी की अनुमति प्राप्त करने की बात भी कही गई। इस समीक्षा बैठक में निदेशक (ई एंड एम) डी. सत्यनारायण राव, निदेशक (ऑपरेशंस) एल.वी. सूर्यनारायण, निदेशक (योजना एवं परियोजनाएं) के. वेंकटेश्वरलु, कार्यकारी निदेशक (कोल मूवमेंट) एस.डी.एम. सुभानी, महाप्रबंधक (सीपीपी) ए. मनोहर, महाप्रबंधक (मार्केटिंग) एन.वी. राजशेखर राव, कॉर्पोरेट कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों के अन्य महाप्रबंधकगण उपस्थित रहे।

राज्यपाल के हाथों करीमनगर इंडियन रेड क्रॉस सुसाइटी के अध्यक्ष को पुरस्कार प्रदान

करीमनगर (एजन्सी),

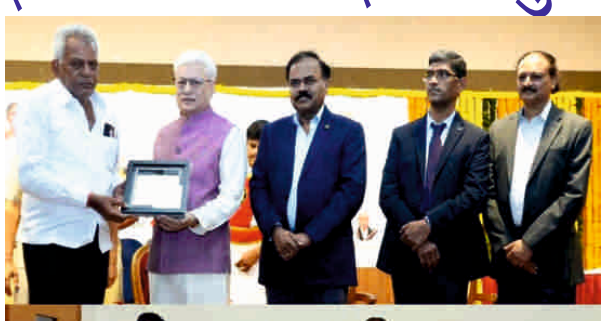

विश्व रक्तदान दिवस पर हैदराबाद के राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में तेलंगाना के राज्यपाल विष्णुदेव वर्मा के हाथों करीमनगर इंडियन रेड क्रॉस सुसाइटी के अध्यक्ष केशव रेड्डी को रक्तदाताओं को अत्यधिक रूप से प्रेरित करने के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया।

साथ ही, करीमनगर रेड क्रॉस सेवाओं को मान्यता देते हुए ISO 1900:2015 प्रमाणपत्र भी राज्यपाल के हाथों से प्रदान किया गया। विश्व रक्तदान दिवस पर इंडियन रेड क्रॉस में रक्तदान शिविर आयोजित- विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर आज इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, करीमनगर ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में एमए हफीज की ओर से रक्तदान किया गया।इस मौके पर रेड क्रॉस सचिव ऊट्कूरी राधाकृष्णा रेड्डी ने कहा कि इस प्रकार आगे आकर रक्तदान करने से उन मरीज़ों को मदद मिलती है जो रक्त की कमी से पीड़ित होते हैं।

उन्होंने थैलेसीमिया और कैंसर जैसे रोगों से जूझ रहे मरीज़ों की सहायता के लिए युवाओं को आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इंजीनियरिंग कॉलेज और जेएनटीयू कॉलेज में युवाओं को रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा, "सभी दानों में रक्तदान सबसे महान है। कार्यक्रम में इंडियन रेड क्रॉस ब्लड सेंटर के कर्मचारी भी भाग लिया। विश्व रक्तदान दिवस के उपलक्ष्य में रेड क्रॉस ब्लड बैंक के सचिव राधाकृष्ण रेड्डी, स्टाफ और अन्य लोगों ने मिलकर केक काटकर इस दिन को मनाया।

रेलवे स्टेशन पर छोड़ा गया बच्चा बाल संरक्षण की निगरानी में

आदिलाबाद (एजन्सी),

जिला बाल कल्याण अधिकारी रेलवे स्टेशन पर अकेले रो रहे एक लड़के की सुरक्षा कर रहे हैं। विवरण.. इस महीने की 13 तारीख की रात को आदिलाबाद रेलवे स्टेशन पर एक लड़का रोता हुआ देखा गया। रेलवे और चौकी पुलिस ने इसे देखा और चाइल्ड लाइन को सूचित किया।

बाल कल्याण अधिकारी कर्मचारी जिन्होंने शुक्रवार की मध्य रात्रि में तुरंत प्रतिक्रिया की और रेलवे स्टेशन गए और लड़के को वापस ले आए। शनिवार को बाल कल्याण अधिकारी और कर्मचारी। रेलवे पुलिस, शूर एनजीओ समन्वयक के. विनोद ने मिलकर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म का निरीक्षण किया। बाद में, सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। इस अवसर पर डीसीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने कहा जब उन्होंने लड़के से बात तो उसने कहा कि उसकी माँ ने उसे यहाँ बैठाया था और कहा था कि वह तुरंत आ जाएगी लेकिन वह अभी तक नहीं आई। लड़के ने बताया कि उसका नाम राहुत गणेश (7) है और उसकी माँ पूजा और पिता राजू हैं।

इसके साथ ही पुलिस और महाराष्ट्र अकोला पुलिस के बाल संरक्षण अधिकारी और बाल संरक्षण अधिकारी से बात की गई। उन्होंने बताया कि वे वहां भी जानकारी जुटा रहे हैं। उन्होंने लड़के के माता-पिता और अभिभावकों के बारे में जानकारी मांगी। उन्होंने बताया कि लड़का फिलहाल बाल संरक्षण की निगरानी में है।

उनके साथ पीओआईसी एन. स्वामी, पीओएस एसीआर विनोद कुमार, श्योर एनजीओ जिला समन्वयक विनोद, चाइल्ड केशवरकर रामकृष्ण और रेलवे पुलिस मौजूद थी। इस बीच, जिस किसी को भी लड़के के बारे में पता हो ताे वह पीओआईसी एन. स्वामी को मोबाइल नंबर 9492483400, पीओएस एपीआर विनोद कुमार को 9440289825 पर सूचित करे।

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net